।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

●वर्ष-5

●अंक-216

रायपुर, रविवार

26 अप्रैल 2026

●पृष्ठ-8

●मूल्य-3 रु.

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8> बैज नारी शक्ति के भावनात्मक...

### नागपुर में मोहन भागवत ने बताई संघ की विचारधारा

## भारत का उदय हमारा लक्ष्य



**मुंबई।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के स्वयंसेवकों के काम और उनके मुख्य लक्ष्य को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि आरएसएस के स्वयंसेवकों का सबसे पहला और मुख्य काम एक व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाना है। शनिवार को नागपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तरफ से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

यह कार्यक्रम आरएसएस और एबीवीपी के पूर्व नेता यशवंतराव केलकर की जयंती के मौके पर रखा गया था। इसी खास अवसर पर मोहन भागवत ने अपने विचार लोगों के सामने रखे। उन्होंने संघ और उससे जुड़े सभी संगठनों के काम करने के तरीके और उनकी मूल भावना के बारे में विस्तार से बात की। इसी दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वयंसेवक सिर्फ समाज में बाहर का काम नहीं करते, बल्कि वह लोगों के चरित्र निर्माण पर भी पूरा जोर देते हैं।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विचारधारा के मुद्दे पर अपनी बात स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि एबीवीपी और आरएसएस से जुड़े हुए जितने भी संगठन हैं, वे सभी एक ही विचारधारा के आधार पर काम करते हैं। उन्होंने साफ कहा कि हम सभी की विचारधारा पूरी तरह से देशभक्ति की भावना से प्रेरित है। देशभक्ति ही वह असली ताकत है जो इन संगठनों को लगातार समाज के बीच काम करने की प्रेरणा देती है।

देशभक्ति के साथ-साथ मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों के सबसे बड़े और मुख्य लक्ष्य के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि हम सभी का सिर्फ एक ही लक्ष्य है और वह है भारत का उदय। देश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना और दुनिया में उसका मान बढ़ाना ही इस काम का मकसद है। इसी बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर एक स्वयंसेवक का फर्ज है कि वह समाज के लोगों को एक बेहतर और अच्छा इंसान बनाने की दिशा में काम करे।

अपने भाषण के दौरान मोहन भागवत ने यशवंतराव केलकर को भी याद किया। उन्होंने बताया कि यशवंतराव केलकर आरएसएस और एबीवीपी के एक बहुत बड़े और समर्पित नेता थे। संघ प्रमुख ने कहा कि यशवंतराव केलकर का जीवन और उनका काम मेरे लिए और देश भर के सभी स्वयंसेवकों के लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा है। उन्हीं के दिखाए रास्ते पर चलकर संगठन आज भी समाज में बेहतर इंसान गढ़ने का काम लगातार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 150 सालों में विकसित हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा। यदि हम अपने संकल्प के मुताबिक कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने दैनिक जीवन में उतारना होगा। संघ प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबारा जुड़ने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। भारत को जानना, स्वीकार करना और दैनिक जीवन में जीना जरूरी है। इस बात पर जोर देते हुए कि आत्म-साक्षात्कार की ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से ही एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

## केजरीवाल से बड़ा गद्दार कोई नहीं: मालीवाल

### भाजपा में शामिल होते ही लगाए आरोप



**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी इन दिनों मुश्किल वक्त से गुजर रही है। ऐसे में आप छोड़कर बीजेपी का दामन थामने के बाद राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। सांसद ने आप सुप्रीमो पर आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल गुंडागर्दी में शामिल हैं।

दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा ने कहा कि जब आप प्रमुख ने अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी, तो उन्होंने बदलाव की उम्मीद जगाई थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद उनमे बड़ा बदलाव आ गया। सांसद मे शीश महल का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने एक घर बनाने में सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च कर दिए। उनकी यह टिप्पणी शीश महल विवाद के संदर्भ में थी।

महिला सांसद ने बीजेपी से जुड़ने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि मैं किसी मजबूरी में क्ष्छ्क में शामिल नहीं हुई, बल्कि इसलिए शामिल हुई क्योंकि मुझे क्रू मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है। मैं उन सभी लोगों से आग्रह करती हूं जो रचनात्मक राजनीति करना चाहते हैं, वे भाजपा में शामिल हों।एएनआई से बात करते हुए महिला सांसद ने कहा कि मैंन आप छोड़ दी है और भाजपा में शामिल हो गई हूं। 2006 से, मैं अरविंद केजरीवाल के साथ काम कर रही हूं और हर आंदोलन के दौरान मैंने उनका साथ दिया है। हालांकि, अरविंद केजरीवाल ने अपने ही घर में एक गुंडे से मेरी पिटाई करवाई। उन्होंने आगे कहा कि जब मैंने इसके खिलाफ आवाज उठाई तो मुझे धमकाया गया।

सांसद स्वाति मालीवाल ने आप संयोजक पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां तक कि उन्होंने इस घटना के संबंध में मेरे द्वारा दर्ज कराई गई स्न्ड्क्र वापस लेने के लिए मुझ पर दबाव डाला।

**रायपुर ।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उद्योगोन्मुखी और निवेश प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीकी दृष्टि से अग्रणी देश है और वहां की उन्नत विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

## नक्सली नेता समेत 47 ने किया सरेंडर

**रायपुर/बस्तर।** तेलंगाना पुलिस की मौजूदगी में, छत्तीसगढ़ राज्य की कुछ महिलाओं समेत करीब 47 माओवादियों ने आज हैदराबाद में आत्मसमर्पण कर दिया। छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर डिवीजन के इन माओवादियों ने डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इस अवसर पर बोलते हुए डीजीपी रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने अपने कब्जे में मौजूद 32 हथियार पुलिस को सौंप दिए। उन्होंने घोषणा की कि आत्मसमर्पण करने वालों को केंद्र सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं और मुफ्त स्वास्थ्य कार्डों के साथ-साथ 1.20 करोड़ रुपये का पुनर्वास पैकेज भी दिया जाएगा।

डीजीपी ने आश्वासन दिया कि सरकार उन सभी को हर संभव सहायता प्रदान करेगी जो वनवास छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं। झारखंड में हाल ही में हुई मुठभेड़ और केंद्र द्वारा निर्धारित समय



सीमा की समाप्ति के मद्देनजर माओवादियों के इस बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण का विशेष महत्व है। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी लोग छत्तीसगढ़ के हैं और उनमें तेलंगाना का कोई भी व्यक्ति शामिल नहीं है।

बाद में, डीजीपी ने विशेष खुफिया शाखा पुलिस के समर्पण और समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक तेलंगाना में कुल 260 भूमिगत माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। डीजीपी ने आगे कहा कि तेलंगाना के केवल चार माओवादी कैडर अभी भी भूमिगत हैं और तेलंगाना से बाहर सक्रिय हैं।

### शीर्ष कमांडरों का सरेंडर

जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पण करने वालों में कई बड़े नाम शामिल हैं. हेमला अइथु उर्फ विज्जा, जो छ्यर्स्ष्ट का सदस्य और दक्षिण बस्तर का प्रभारी था, उसने भी हथियार डाले. इसके साथ ही पोडियम लच्छू उर्फ मनोज, जो पीएलजीए में प्लाटून कमांडर था, उसने भी आत्मसमर्पण किया. इन दोनों नेताओं का संगठन में खास प्रभाव था. इनके सरेंडर से माओवादी ढांचे को बड़ा नुकसान माना जा रहा है. पुलिस को सौंपे गए हथियारों में 1 एलएमजी, 4एके-47, 3 एसएलआर 2 इंसास राइफल शामिल हैं. इसके अलावा 12 सिंगल शॉट गन, 2 पिस्टल और 2 बीजीएल भी जमा कराए गए. साथ ही 515 जिंदा कारतूस और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई. कैडर अभी भी भारी हथियारों से लैस थे।

### ट्रंप ने ईरानी नेताओं की हत्या का किया समर्थन

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके देश के साथ समझौते के पक्ष में न होने वाले ईरानी नेताओं की हत्या का समर्थन किया है। वाशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार मार्क थीसेन ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया है कि जो ईरानी नेता अमेरिका के साथ समझौते के पक्ष में नहीं हैं, उनकी हत्या कर दी जानी चाहिए। बाद में श्री ट्रंप ने इस संदेश को ट्रुथ सोशल पर साझा किया। थीसेन के संदेश में कहा गया, अगर ईरान में दो धड़े हैं, जिनमें से एक समझौता चाहता है और दूसरा नहीं, तो समझौता न चाहने वाले नेताओं को हमें मार देना चाहिए।श्री ट्रंप के इस संदेश को साझा किये जाने पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने इसे गंभीर नैतिक पतन का प्रमाण बताया। प्रवक्ता ने कहा कि इस प्रकार के संदेश का समर्थन यह दर्शाता है.

**प्रमुख समाचार**

### अशोक कुमार लाहिड़ी बने नीति आयोग के उपाध्यक्ष

**नयी दिल्ली।** सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है और पूर्व आर्थिक सलाहकार डॉ अशोक कुमार लाहिड़ी को सरकार के इस शीर्ष परामर्श संस्थान का उपाध्यक्ष बनाया है।भारतीय प्रशासनिक सेवाअधिकारी राजीव गौबा तथा प्रो. के.वी. राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को आयोग पूर्णकालिक सदस्य बनाया गया



है। डॉ. लाहिड़ी नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉक्टर सुमन बेरी का स्थान ले रहे हैं जो दो मई 2021 से इस पद पर थे। वह पश्चिम बंगाल विधानसभा में बालूरघाट निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने इस बार का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है।वह 15वें वित्त आयोग के सदस्य रहे हैं। प्रधानमंत्री पदेन इस निकाय के अध्यक्ष होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्थान के पुनर्गठन पर नए उपाध्यक्ष और उनकी टीम को शुभकामनाएं दी हैं।श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर शनिवार को एक पोस्ट में कहा, नीति आयोग भारत की नीति-निर्माण संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और जीवन की सुगमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

### भाजपा आई तो रात 1 बजे भी बेटियां रहेंगी सुरक्षित: शाह

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान जिले के जमालपुर गांव में एक चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। रैली में बोलते हुए शाह ने ममता बनर्जी पर राज्य में हुए कई



अपराधों का आरोप लगाया और जनता द्वारा सत्ता में चुने जाने पर इन्हें रोकने का वादा किया। शाह ने रैली में सभा को संबोधित करते हुए कहा ममता के शासनकाल के पिछले पंद्रह वर्षों में अगर किसी ने सबसे ज्यादा कष्ट झेला है, तो वो हमारी माताएं और बहनें हैं। शाह ने कहा कि आरजी कार, संदेशखाली, कलकत्ता लॉ कॉलेज और दुर्गापुर कॉलेज जैसी घटनाएं दर्शाती हैं कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हर जगह हुए हैं। और अब %दीदी% कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। मैं आपको बताना चाहता हूं कि 5 तारीख के बाद तो एक युवती भी रात 1 बजे तक घर से बाहर निकल सकेगी और कोई गुंडा उसकी तरफ देखने की हिम्मत भी नहीं करेगा।

### न भाजपा को समझ, न सांसदों को ज्ञान: कपिल सिब्बल

**नई दिल्ली।** राज्यसभा के 7 सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़ने और भारतीय जनता पार्टी में जुड़ने पर देश में सियासी गर्मी को ओर बढ़ा दिया है। सांसदों के पाला बदलने को लेकर जहां एक तरफ आप बीजेपी पर गंभीर आरोप लगा रही है। वहीं बीजेपी आप पर भ्रष्टाचार का प्रयाय बनने का



आरोप लगा रही है। मामले में कांग्रेस भी बीजेपी और आप पर हमला बोलने से नहीं चूक रही है।इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद कपिल सांसद ने बीजेपी और आप के बागी सांसदों पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि कल आपने एक बहुत ही दिलचस्प खबर सुनी कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 में से 7 लोगों ने यह तय कर लिया कि हम बीजेपी के साथ मर्ज करेंगे। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि अब शायद न बीजेपी को और न इन 7 लोगों को संविधान की ज्यादा समझ तो मुझे लगती नहीं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि लेकिन संविधान के मुताबिक यह सही है या गलत है, असंवैधानिक है या नहीं, मैं समझता हूं कि न इनको मालूम है, न भाजपा को मालूम है, न उन लोगों को जो इसमें सहमति देंगे।

### असम में सेंचुरी तो पश्चिम बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे: सरमा

**कोलकाता।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि इस बार हम असम में सेंचुरी और बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि भरोसे से कह सकता हूं कि बंगाल में पहले चरण में ही बीजेपी 110 सीटें जीत चुकी है। उन्होंने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेस कर कहा कि



बांग्लादेश से आने वालों के कारण अगले दो दशकों में असम और बंगाल में हिंदू अपना बहुमत का दर्जा खो देंगे।सीएम हिमंता ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ यहीं से आएंगे। इससे पश्चिम बंगाल और पूरे देश की जनसंख्या संरचना बदलेगी। पश्चिम बंगाल चुनाव में हर भारतीय की हिस्सेदारी है, क्योंकि इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा, खासकर बंगाल और असम पर। उन्होंने कहा कि जब संख्या 50फीसदी से ऊपर जाती है तो शरिया कानून की मांग भी शुरू होती है। धर्मनिरपेक्षता तब तक सुरक्षित है, जब तक जनसंख्या संतुलन बना रहता है। सीएम ममता कहती हैं कि बीजेपी सांप्रदायिकता फैला रही है, लेकिन बीजेपी देश के किसी भी राज्य में गीता या भागवत का शासन लागू करने की मांग नहीं करती।

### भारतीय नौसेना को मिला स्वदेशी भारी टॉरपीडो

**विशाखापत्तनम।** रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल ) ने गुरुवार को अपनी विशाखापत्तनम इकाई में नौसेना विज्ञान एवं तकनीकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल ) को एक उत्पादन-ग्रेड वायर गाइडेड हेवी वेट टॉरपीडो (डब्ल्यूजीएचडब्ल्यूटी) सौंपा। यह स्वदेशी रक्षा निर्माण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।बीडीएल की ओर से शुक्रवार देर रात जारी एक बयान में बताया गया कि इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक आर.वी. हारा प्रसाद, बीडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ए. माधवराव, और अब्राहम वर्गीस शामिल थे। इनके साथ ही बीडीएल, एनएसटीएल और भारतीय नौसेना की टीमें भी मौजूद थीं।विकास-सह-उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी) के रूप में बीडीएल ने एनएसटीएल के साथ मिलकर भारत के पहले स्वदेशी उत्पादन-ग्रेड वायर-गाइडेड हेवी वेट टॉरपीडो को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए गहन सहयोग किया। इस प्रणाली को अभ्यास और युद्ध, दोनों तरह के विन्यासों में विकसित किया गया है और इसे औपचारिक रूप से एनएसटीएल को सौंप दिया गया है।

## देश के शेयर बाजार का सफर लम्बा, उपलब्धियां विश्वस्तरीय: निर्मला सीतारमण

**मुंबई।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के प्रतिभूति बाज़ार की विकास यात्रा में बड़ी उपलब्धियों को को रेखांकित करते हुए कहा कि यह यात्रा उल्लेखनीय रही है और भारतीय बाजार आज एक मज़बूत, प्रौद्योगिकी-आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र में सबसे अच्छे बाजारों में एक है।

वित्त मंत्री ने विश्वास और ईमानदारी को बाजार की अदृश्य लेकिन सबसे अहम अवसंरचना बताते हुए बाजार विनियामक सेबी से कदाचार के विरुद्ध बहुत कठोर रुख अपनाने को कहा।श्रीमती सीतारमण ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते कहा कि भारतीय बाज़ारों की यात्रा पारंपरिक ट्रेडिंग रिंग से निकल कर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक ऑर्डर बुक तक, भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों से पूर्ण डीमैटेरियलाइजेशन तक, और बिखरी हुई निगरानी से रीयल-टाइम नियामकीय पर्यवेक्षण तक पहुंच गयी है।

वित्त मंत्री ने कहा कि इन बाज़ारों का आकार यात्रा की चुनौतियों से तय हुआ है और इस दौरान उत्पन्न दबावों और अस्थिरता के दौर ने नियमन और बाज़ार अवसंरचना को मज़बूत किया है। उन्होंने कहा, भारतीय बाज़ारों का इतिहास हमें पहले के दशकों के तनावपूर्ण दौर से महत्वपूर्ण सबक भी सिखाता है, जिससे मज़बूत नियमन विकसित हुआ। अस्थिरता के दौर ने बेहतर बाज़ार ढांचा बनाया, चुनौतियों ने बेहतर संस्थानों को जन्म दिया। इसी तरह परिपक्व वित्तीय प्रणालियाँ सीखते हुए, अनुकूलन करते हुए और अधिक मज़बूत बनकर उभरती हैं।सेबी की भूमिका को रेखांकित करते हुए सीतारमण ने कहा कि उसकी प्रभावशीलता केवल उसके अधिकारों की व्यापकता से नहीं, बल्कि उन्हें अनुशासन के साथ लागू करने से आती है।उन्होंने उन्होंने कहा, सेबी ने सभी सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए टी 1 (ट्रेड प्लस वन) सेटलमेंट चक्र लागू करने में भारत का नेतृत्व किया, जो जनवरी 2023 में पूरा हुआ। इससे भारत कई बड़े बाज़ारों, जैसे अमेरिका, से



आगे निकल गया, जिसने टी 1 को मई 2024 में अपनाया।

ट्रेड प्लस वन निपटन चक्र का अर्थ है कि प्रतिभूति लेनदेन एक कार्यदिवस के भीतर निपटाया जाता है, यानी शेयर और धनराशि अगले कार्यदिवस तक हस्तांतरित हो जाते हैं।वित्त मंत्री ने कहा कि सेबी ने एएसबीए (एप्लिकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट) प्रणाली भी शुरू की, जो आईपीओ के लिए एक वैश्विक नवाचार है, जिसने रिफंड चक्र को समाप्त कर दिया और निवेशक के बैंक खाते में केवल आवंटित राशि को ही ब्लॉक किया (खाते में रोका)।

उन्होंने सेबी और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने मिलकर भारत को दुनिया का ऐसा पहला बाजार क्षेत्र बनाया, जहां यूपीआई के माध्यम से आईपीओ आवेदन संभव हुआ, जिससे प्राथमिक बाज़ारों में रीयल-टाइम खुदरा भागीदारी हर स्मार्टफोन तक पहुंची।उन्होंने कहा कि कि आज भारत दुनिया की सबसे उन्नत डिपॉजिटरी अवसंरचनाओं में से एक संचालित करता है, जिसमें नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के पास पांच लाख करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य की डीमैट प्रतिभूतियाँ हैं। उन्होंने संस्थान की प्रभावशीलता दिखाने वाले कुछ आँकड़े भी साझा किए- सेबी की सफलता दर सुप्रीम कोर्ट में 90 प्रतिशत से अधिक, सिक्योरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल में 73 प्रतिशत और सिविल कोर्ट या एनसीएलटी में 92 प्रतिशतहै। वित्त मंत्री ने कहा % ये आँकड़े इसकी कानूनी संरचना की संस्थागत मज़बूती को दर्शाते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आईपीओ ( प्राथमिक शेयर निर्गम) गतिविधि मजबूत रही, 366 आईपीओ के माध्यम से लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई गई, जो नियामकीय समर्थन के कारण संभव हुआ। भारत में खुदरा भागीदारी की क्रांति हमारे वित्तीय इतिहास के सबसे लोकतांत्रिक विकासों में से एक है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि बढ़ती भागीदारी के साथ जागरूकता भी आवश्यक है।उन्होंने कहा, समझ के बिना भागीदारी जोखिम पैदा कर सकती है, और सुरक्षा उपायों के बिना पहुंच खतरे उत्पन्न कर सकती है, और जोर दिया कि निवेशक संरक्षण को रक्षात्मक से विकासात्मक कार्य में विकसित होना चाहिए।मंत्री ने कहा कि नियामक प्रणालियों का लक्ष्य अत्यधिक प्रतिबंध नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें अधिक परिष्कृत और पूर्वानुमानित बनना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रमुख वैश्विक बाज़ारों ने अति और संकट के दौर देखे हैं।

# नक्सल मोर्चा पर तेलंगाना में हलचल

**जगदलपुर।** नक्सल मोर्चा में तेलंगाना में हलचल नजर आ रही है। 18 वर्षीय महिला माओवादी मुडियम रामे उर्फ राजिता के आत्मसमर्पण के बाद छत्तीसगढ़ कैडर के 47 और नक्सली समर्पण की तैयारी में हैं। यह हलचल भले ही तेलंगाना में हो रही है, लेकिन इसका असर बस्तर में भी पड़ेगा, क्योंकि समर्पण करने वाले तमाम नक्सली बस्तर क्षेत्र में सक्रिय थे।

तेलंगाना के मुलुगु जिले से बड़ी खबर सामने आई है, जहां 18 वर्षीय मुडियम रामे उर्फ राजिता ने मुलुगु पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर हिंसा का रास्ता छोड़ने का फैसला लिया। मुलुगु एसपी सुधीर रामनाथ केकान ने उसे 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। बीजापुर जिले के बसागुड़ा क्षेत्र की रहने वाली मुडियम रामे उर्फ राजिता साउथ बस्तर डिवीजनल कमेटी में पार्टी सदस्य के तौर पर सक्रिय थी। इसके साथ ही 9वीं प्लाटून में भी उसकी भूमिका बताई गई है। पुलिस की ओर से पुनर्वास योजना के तहत उसे मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की गई। जानकारी के अनुसार, मुडियम रामे उर्फ राजिता के बाद हैदराबाद में बड़ी संख्या में माओवादी आत्मसमर्पण कर सकते है। इनमें बटालियन नंबर-1 के कमांडर हेमला वेज्जा के साथ छत्तीसगढ़ कैडर के 47 माओवादी 34 हथियारों के साथ समर्पण करने जा सकते हैं।

# कहीं आपके कप में तो नहीं है नकली रेड लेबल का फेक प्रोडक्ट

**बिलासपुर।** बिलासपुर के मालधक्का क्षेत्र में सिगरेट के बाद अब हिंदुस्तान यूनिलीवर कंपनी के नकली उत्पाद बेचने का मामला सामने आया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर नियुक्त एडिशनल स्पेशल रिसीवर ने पुलिस के साथ महादेव जनरल स्टोर्स के गोदामों पर छापेमारी की। यहां नकली उत्पादों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर के नाम पर बेचे जा रहे बड़ी मात्रा में नकली चायपत्ती और सर्फ एक्सेल पाउडर बरामद किए गए।

दरअसल, हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाई है, जिसमें कंपनी के नाम पर डुप्लीकेट उत्पाद बेचने के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने जांच के आदेश दिए हैं। इसी कड़ी में एडिशनल स्पेशल रिसीवर एचएन जोशी ने व्यापार विहार स्थित जोन-2 की दुकान नंबर 17 और भगत सिंह कॉम्प्लेक्स जोन-1 के गोदामों में दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान महादेव जनरल स्टोर्स के संचालक रवि मंगलानी मौजूद रहे। जांच में पाया गया, कि नामी ब्रांड के रैपर में नकली सामान पैक कर बेचा जा रहा है। गोदाम से सर्फ एक्सेल के 80 ग्राम वाले कुल 5280 पैकेट मिले, जिनमें बैग में 4800 पीस और अन्य 480 पीस शामिल थे। रेड लेबल चाय के 1 किलो वाले 80 पैकेट भी बरामद हुए। जब्त किया गया सारा सामान कंपनी के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया।

कोर्ट के निर्देश पर सभी जब्त उत्पादों को सील कर सुरक्षित रखा गया है। एडिशनल स्पेशल रिसीवर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि यह कार्रवाई 24 नवंबर 2025 से 17 मार्च 2026 के बीच जारी अलग-अलग अदालती आदेशों के पालन में की गई। इस मामले की अगली सुनवाई बॉम्बे हाईकोर्ट में 8 मई को होगी।

सूत्रों के मुताबिक सम्भाग के सबसे बड़े मालगोदाम व्यापार विहार में इन दिनों नकली उत्पादों का बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। जहां से थोक व्यापारियों को बड़े पैमाने पर डुप्लीकेट प्रोडक्ट सप्लाई किए जा रहे हैं, जिन्हें बाद में आम लोगों को असली बताकर बेचा जा रहा है।

# दुर्ग में 5 मिनट का टोटल ब्लैकआउट, जंग जैसे हालात का अभ्यास

**■ दुर्ग जिले में सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के लिए मेगा मॉक ड्रिल की गई.**

**दुर्ग।** शिवनाथ नदी के तट पर बसे और इस्पात नगरी के रूप में पहचाने जाने वाले शहर में शाम 5 बजे से 7 बजे तक अलर्ट मोड लागू रहा। संभावित हवाई हमले, गैस रिसाव और अन्य आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए ट्रेनिंग की गई। पूरे शहर में हर घंटे सायरन बजाकर नागरिकों को सतर्क रहने का संकेत दिया गया। इस ड्रिल का सबसे अहम और संवेदनशील चरण शाम 7 बजे देखने को मिला, जब 5 मिनट के लिए पूरे क्षेत्र में टोटल ब्लैकआउट किया गया। बिजली विभाग ने शहर की बिजली सप्लाई बंद कर दी, ताकि युद्ध जैसी परिस्थितियों में अंधेरा होने पर सुरक्षा बनाए रखने की रणनीति का अभ्यास किया जा सके। एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, एनसीसी और होमगार्ड के जवानों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय स्वयंसेवकों ने इस ड्रिल में हिस्सा लिया। अंधेरे में संचार व्यवस्था बनाए रखने की ट्रेनिंग एयर रेड सायरन पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का अभ्यास सुरक्षित स्थानों तक लोगों को पहुंचाने की बारीकियां घायलों को प्राथमिक उपचार देने की ट्रेनिंग मॉक ड्रिल के दौरान राहत और बचाव कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। आगजनी की स्थिति में फायर ब्रिगेड ने त्वरित कार्रवाई कर आग पर काबू पाया। ऊंची इमारतों में फंसे लोगों को रस्सियों और स्ट्रेचर की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। एंबुलेंस के जरिए घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि इस तरह की मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और नागरिकों को जागरूक व तैयार रखना है। प्रशासन ने आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि ऐसे अभ्यास शहर की समग्र सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि विश्व स्तर पर युद्ध की स्थिति बनी हुई है।

# पूरे शहर में तंग गलियों में पटाखे का भंडारण

**■ इस भीषण हादसे से पूरा शहर सदमे में है. घटना के बाद ईटीवी भारत ने शहर के अन्य इलाकों में फायर सेफ्टी का जायजा लिया.**

## अब होगी जांच और शहर से बाहर करने की कार्रवाई

**सरगुजा।** अंबिकापुर पटाखा और प्लास्टिक भंडारण में लगी भीषण आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। करीब 31 घंटे का समय बीत चुका है। लगातार प्रशासन और फायर सेफ्टी की टीम आग बुझाने में लगी हुई है। हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में है। लेकिन बुझी हुई आग से धुआं उठने लगता है, जिस वजह से फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां अब भी स्थिति पर नजर रख रहीं हैं और समय समय पर पानी डाला जा रहा है।

इस भीषण हादसे से पूरा शहर सदमे में है। इस घटना के बाद ईटीवी भारत ने शहर के अन्य इलाकों में फायर सेफ्टी का जायजा लिया तो पता चला कि, ये कोई अकेला पटाखे का भंडारण नहीं था। शहर में में चार से पांच और ऐसे भण्डारण हैं।

अंबिकापुर शहर के मायापुर में एक पटाखा दुकान संचालित हैं, जहां घनी आबादी है। अगल बगल छोटे बच्चों की कोचिंग क्लास संचालित है और मार्ग इतना तंग है कि अगर आगजनी हुई तो फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी वहां तक नही पहुंच पायेगी। महामाया रोड में भी पटाखे का व्यापार हो रहा है।

बरेज तालाब के पास दो पटाखा व्यापारियों के गोदाम हैं। ये सभी क्षेत्र घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र हैं। अगर यहां आगजनी की घटना हुई तो फिर से वही स्थिति बन सकती है, जो अंबिकापुर में बनी हुई है। शहर के मायापुर पंचदेव मंदिर, चांदनी चौक, दुर्गाबाडी, दरीपारा, ब्रम्ह रोड सहित कई अन्य इलाकों में एलपीजी गैस सिलेंडर का भी भण्डारण किया गया है। आगजनी की स्थिति में ये भी बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अब सवाल ये है की नियमों को ताख पर रखकर ये व्यापारी आम लोगों की जान से खिलवाड़ क्यों और किसकी सह पर करते हैं? शहर के व्यापारी कृष्णा ठाकुर कहते हैं कि ये बड़ी घटना हुई है। दोबारा ऐसा ना हो, इसके लिए प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। शहर में कई पटाखों की दुकाने चल रही हैं।

# इसरो की सैटेलाइट से खुला जंगल घोटाला

**■ उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में 1 लाख पेड़ काट 106 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा**

**■ साल 2006 से 2022 की इसरो सैटेलाइट इमेजरी से पता चला**

**धमतरी।** उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व से एक बड़ा खुलासा सामने आया है। आधुनिक तकनीक के जरिए वर्षों से चल रहे बड़े पैमाने पर अतिक्रमण का पर्दाफाश हुआ है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सैटेलाइट इमेजरी और हाई-रिज़ोल्यूशन ड्रोन सर्वेक्षण के आधार पर टाइगर रिजर्व के कोर वन्यप्राणी रहवास क्षेत्र और महानदी कैचमेंट में बीते 15 वर्षों में करीब 1 लाख पेड़ों की अवैध कटाई कर 106 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण किया गया। जांच में सामने आया कि टाइगर रिजर्व से लगे ग्राम जैतपुरी के 166 लोगों ने सुनियोजित तरीके से इस अतिक्रमण को अंजाम दिया। वर्ष 2011 में जहां अतिक्रमण का दायरा 45 हेक्टेयर था। वहीं अगले एक दशक में इसे बढ़ाकर 106 हेक्टेयर कर दिया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि अधिकांश अतिक्रमणकारियों के पास राजस्व क्षेत्र में पहले से ही जमीन मौजूद थी। इसके बावजूद लालच में आकर उन्होंने संरक्षित वन क्षेत्र पर कब्जा किया। आंकड़ों के मुताबिक, इस क्षेत्र में पहले प्रति हेक्टेयर लगभग 1000 पेड़ मौजूद थे। जो अब घटकर महज 25 से 50 पेड़ प्रति हेक्टेयर रह गए हैं। यह दर्शाता है कि बड़े पैमाने पर जंगल की साफ-सफाई कर अवैध खेती और कब्जा किया गया। इतना ही नहीं, वर्तमान में भी कई स्थानों पर पेड़ों को काटने और गर्डलिंग (छाल हटाकर पेड़ सुखाना) जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर अतिक्रमण बढ़ाने की कोशिश जारी थी। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक वरुण जैन ने बताया कि सीतानदी कोर एरिया में लगभग 166 अतिक्रमणकारियों ने 106।16 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया है।

# युवती को चाकू दिखाकर डराया, भेजा जेल

**जगदलपुर।** जगदलपुर में चाकू दिखाकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने युवती के घर के सामने हंगामा किया और धारदार चाकू लहराकर डराने की कोशिश की, जिसके बाद पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, संजय गांधी वार्ड में रहने वाला सूरज कश्यप (22) पीड़िता के घर के सामने पहुंचा। उसने पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी और जिंदा नहीं छोड़ूंगा कहकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान आरोपी ने अपने पास रखा धारदार चाकू निकालकर लहराया और डराने की कोशिश की। घटना के बाद पीड़िता थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया धारदार चाकू भी जब्त किया है। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा।

# दुर्ग में 4 मवेशी तस्कर गिरफ्तार

**■ पिकअप में ठूंस-ठूंसकर ले जा रहे थे, पुलिस ने सभी मवेशियों को मुक्त कराया**

**दुर्ग-भिलाई।** दुर्ग जिले में मवेशियों की तस्करी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई चिखली चौक के पास की गई, जहां पुलिस ने एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की। जांच के दौरान वाहन में 6 मवेशियों को बेहद खराब और अमानवीय स्थिति में ले जाया जा रहा था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी मवेशियों को मुक्त कराया और आरोपियों को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई 23 अप्रैल की रात को की गई। दरअसल युवराज साहू की सूचना पर पुलिस ने चिखली चौक क्षेत्र में घेराबंदी कर पिकअप (छग 05 छ 1007) को रोका। जांच के दौरान वाहन में 6 मवेशियों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। मवेशियों के लिए न पर्याप्त जगह थी और न ही चारा-पानी की कोई व्यवस्था थी। पुलिस ने मौके पर ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के नाम निर्मल मनेश्वर, तुलसीराम नागेश्वर, जयपाल नागेश्वर और भगतराम खरे हैं।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### बस्तर में आयरन ओर का काला खेल, एक ट्रक पकड़ा

**जगदलपुर।** बस्तर में आयरन ओर के अवैध कारोबार और ओवरलोडिंग का बड़ा मामला सामने आया है। बस्तर परिवहन संघ ने खुद मोर्चा संभालते हुए, संदिग्ध गाड़ियों का पीछा किया। जिसमें एक ट्रक पकड़ लिया गया। जबकि तीन गाड़ियां मौके से फरार होने में सफल रहीं। आरोप है कि बिना वैध दस्तावेज लौह अयस्क का परिवहन किया जा रहा था। मामले के खुलासे के बाद खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। बस्तर परिवहन संघ के उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह ने दावा किया कि पिछले कई दिनों से अवैध परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं। ओवरलोड गाड़ियों के चलते नियमित सप्लाई प्रभावित हो रही थी और वैध ट्रांसपोर्टरों को नुकसान उठाना पड़ रहा था। शिकायतों के बाद संघ के सदस्यों ने निगरानी की और चार संदिग्ध गाड़ियों को चिन्हित किया। पीछा करने पर एक वाहन पकड़ा गया। जबकि तीन ट्रक निकल गए। पकड़ी गई गाड़ी रायपुर रेलवे साइडिंग से माल लेकर आई थी और जिस निजी परिसर में वाहन मिला। वहां अवैध भंडारण की भी आशंका है।

### पटाखा गोदाम में आगजनी मामले में मंत्री का यूटर्न

**सरगुजा।** पटाखा गोदाम में आगजनी की घटना पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने बयान से यूटर्न ले लिया है। आज प्रेस वार्ता में मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि घटनास्थल वाले जगह पर यदि कोई भी काम नियम विरुद्ध पाया गया तो निश्चित ही कार्रवाई होगी। बता दें कल भीषण आगजनी की घटना के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने मीडिया के सवाल पर यह कह दिया था कि वहां पर पटाखा नहीं था सिर्फ प्लास्टिक का सामान था, जबकि वीडियो और फायर सेफ्टी अधिकारी के बयान से ये स्पस्ट था कि आगजनी के बाद पटाखों में घंटों तक विस्फोट होता रहा। मंत्री के इस बयान के बाद लोगों ने बेहद तीखी प्रतिक्रया दी और बयान को जनता नहीं बल्कि व्यापारी के हित का बताया। आज डीएमएफ की बैठक के बाद कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में प्रेस वार्ता बुलाई गई और मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने बयान से यूटर्न लेते हुए कहा बहुत बड़ी और दुखद घटना थी। प्रशासन, पुलिस प्रशासन, फायर ब्रिगेड और एसईसीएल, एयरपोर्ट से सभी जगह से तुरंत फायर ब्रिगेड उपलब्ध हुई।

### सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन का लोगों को मिला मौका

**कोरबा।** शहरवासियों ने एक खास कार्यक्रम में दिव्य और दुर्लभ श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी तादाद में लोग पहुंचे थे। घंटाघर में शिवलिंग दर्शन के साथ आर्ट ऑफ़ लिविंग की ओर से विशेष भजन मंडली द्वारा भजन किया जा रहा था। विशेष पूजा अर्चना के बाद महिला और पुरुष के लिए अलग-अलग कतारें, बनाकर शिवलिंग के समीप जाकर उसके दर्शन का मौका लोगों को दिया गया। ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार प्राचीन काल में गुजरात के सौराष्ट्र स्थित सोमनाथ मंदिर में विदेशी आक्रमणकारी मोहम्मद गजनी ने लूटपाट की थी। इस मंदिर को 18 बार लूटा गया था। अंत में वहां मौजूद दिव्य शिवलिंग को खंडित कर दिया गया था। जिसे पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। यह पवित्र शिवलिंग लंबे समय तक अग्निहोत्री ब्राह्मणों ने सुरक्षित रखा। बाद में 1924 में कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य के निर्देश पर अब 1000 साल पूरे होने पर श्रद्धास्वरूप श्री श्री रविशंकर महाराज को सौंप दिया गया है।

### नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर सियासी बयान तेज

**कवर्धा।** नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस और भाजपा पार्टियां आमने सामने हो गई है। दोनों ही पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं। शुक्रवार को डोंगरगढ़ कांग्रेस विधायक हर्षिता स्वामी बघेल और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडेय ने प्रेसवार्ता लिया। इस दौरान बीजेपी ने कांग्रेस पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया तो वहां कांग्रेस ने बीजेपी पर महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन संशोधन से जुड़ा बिल पास करने का आरोप लगाया। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता हर्षिता स्वामी बघेल ने कहा कि भाजपा लोगों के बीच झूठ और भ्रम फैला रहा है। सच्चाई यह है कि सरकार नारी शक्ति अधिनियम की आड़ में परिसीमन संशोधन बिल पास करने की तैयारी में थी। सदन में गिरे प्रस्ताव में साफ लिखा था कि लोकसभा सीट में 850 और राज्यों में 815 सीटें और केन्द्र शासित प्रदेश में 35 सीट का परिसीमन करना था। इसके लिए 131 वां परिसीमन बिल लाया गया। जो साल 2023 में नारी शक्ति बिल पास हो चुका है।

### दुर्ग में अवैध गुटखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, एमपी, यूपी

**दुर्ग।** नंदिनी थाना क्षेत्र के बासिन गांव में एक अवैध गुटखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस और खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में पान मसाला और उसके साथ मिलाकर खाने वाला सुगंधित जर्दे का निर्माण और पेकेजिंग कर बाजार में उपलब्ध कराने का खुलासा हुआ है। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में 13 मजदूर काम करते पाए गए। ये मजदूर मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के रहने वाले बताए जा रहे हैं। छापेमार कार्रवाई के दौरान दुर्ग पुलिस व खाद्य विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में पैकेजिंग मटेरियल, तैयार पान मसाला, जर्दा और मशीनरी जप्त किया है। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से काम करने के लिए लाए गए 13 मजदूरों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। ताकि यह पता चल सके कि उन्हें यहां कौन लाया और फैक्ट्री के संचालन में कौन-कौन लोग शामिल हैं। मजदूरों से प्रारंभिक पूछताछ में यह पता चला है कि यह फैक्ट्री अप्रैल की शुरुआत से सक्रिय थी और इसे बड़े अवैध उत्पादन केंद्र के रूप में काम कर रही थी।

# राजू पुजारी आत्महत्या मामला : ठेकेदारों, अधिकारियों पर आरोप, विधायक ने न्यायिक जांच की मांग

**■ बीजापुर विधायक ने कहा कि यह केवल आत्महत्या नहीं, बल्कि एक ईमानदार शिक्षक को भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की सजा है.**

**बीजापुर।** जिला मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने ग्राम चेरपाल निवासी और प्राथमिक शाला पालनार में पदस्थ प्रधान अध्यापक राजू पुजारी की आत्महत्या को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह केवल आत्महत्या नहीं, बल्कि एक ईमानदार शिक्षक को भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की सजा है। विधायक के अनुसार, लगभग 20 लाख 30 हजार रुपये की लागत से बन रहे स्कूल भवन के निर्माण में भारी अनियमितताएं बरती जा रही थीं। पुजारी ने घटिया निर्माण और वित्तीय गड़बड़ियों की शिकायत कई बार अधिकारियों से की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि हेड मास्टर पर ठेकेदार को भुगतान करने के लिए लगातार दबाव बनाया जाता रहा, जिससे वे मानसिक रूप से अत्यधिक परेशान हो गए, जिससे उन्होंने आत्महत्या कर ली। मंडावी ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार में अधिकारी कर्मचारी और ठेकेदार भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में ठेकेदार देवाशीष मंडल, इंजीनियर शैलेश वासम, कर्मचारी छविवेश डोंगरे और मुख्य ठेकेदार जागर लक्ष्मैया के नाम सामने आए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश हो सकती है। विधायक ने सरकार से सवाल करते हुए निर्माण एजेंसी, ठेका प्रक्रिया और अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो परिवार और ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा, ताकि दिवंगत शिक्षक को न्याय मिल सके।

# बालोद जिला प्रशासन और आईआईटी भिलाई के बीच एमओयू

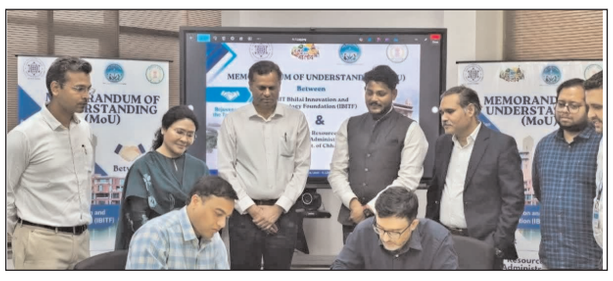



**बालोद।** कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा की विशेष पहल पर शुक्रवार को जल संसाधन विभाग और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी न केवल तांदुला नदी का कायाकल्प करेगी, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में नदी पुर्नजीवन के लिए एक वैज्ञानिक, सतत और सामुदायिक भागीदारी पर आधारित मॉडल पेश करेगी।

जल संसाधन विभाग के प्रमुख पीयूष देवांगन ने इस अनुबंध में हस्ताक्षर कर नदी के लिए मील का पत्थर मानी जाने वाली शुरुआत की। आईआईटी भिलाई में आयोजित इस कार्यक्रम में दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्य नारायण राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने जिला प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि तांदुला को सजाने और संवारने का यह प्रयास बहुत अच्छा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस परियोजना की सफलता भविष्य में राज्य की अन्य नदियों के पुनरुद्धार के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने परियोजना की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि वर्तमान में नदी प्रदूषण, गाद (सिल्टेशन) और प्रवाह की अस्थिरता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। इसे दूर करने के लिए तांदुला जलाशय से हीरापुर एनीकट तक के तीन किलोमीटर के क्षेत्र को एक आदर्श नदी कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत आईआईटी भिलाई के विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक वैज्ञानिक सर्वेक्षण किए जाएंगे। नदी के जल को निर्मल बनाने के साथ-साथ यहाँ जैव विविधता संरक्षण और जल प्रबंधन के उन्नत तकनीकी समाधान लागू होंगे। योजना की एक खास विशेषता यह है कि इसमें प्रकृति आधारित समाधानों के साथ जनभागीदारी को भी प्रमुखता दी गई है, ताकि स्थानीय लोग अपनी नदी के संरक्षण से सीधे जुड़ सकें। इसके अलावा नदी में व्याप्त जलकुंभियों के सदुपयोग और पूरे क्षेत्र को एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में

## संक्षिप्त समाचार

### शहर जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित

**रायपुर।** पीसीसी की स्वीकृति के बाद शहर जिला कांग्रेस कमेटी की घोषणा अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कर दी है। सूची में शामिल हैं- **कोषाध्यक्ष**- सचिन अग्रवाल। **उपाध्यक्ष**- सहदेव व्यवहार,जसबीर ढिल्लन, दिनेश ठाकुर, राकेश धोतरे, डा.अन्नुराम साहू, प्रशांत ठेंगड़ी, चंपालाल देवांगन, मनोज बंजारे, अविनय दुबे, नितिश शर्मा, इरफान कुरैशी, सम्पत सिंह राजपूत। **महामंत्री**- सुशांत डे, प्रवीण चंद्राकर, दीपक चौबे, सुरेश जैन बाफना, राज ू(राज)देवांगन, सौरभ तिवारी, अनिल रायचुरा, संदीप शर्मा, कृष्णकांत साहू, मोहम्मत ताहिर, जावेद नकवी, जीतू भारती, नंदू सिन्हा, सत्तु सिंह, संजय अग्रवाल, मनीष शर्मा,सतीश विक्की साहू। **सचिव**-- लक्ष्मीप्रसाद मिश्रा (मुन्ना), प्रदीव देवांगन, श्रीमती प्रीति सोनी, श्री अर्पणा संचेती, फहीम खान, ईश्वर चक्रधारी, महेन्द्र सेन, संजय सोनी, रोहित साहू, अमित कोसरिया, आकाश उपाध्याय, जितेन्द्र यादव, उज्जवल राजपूत, मोहसिन खान, राजू दुबे, श्रीनाथ भोगल, ज्योतिप्रकाश जगत, प्रवेश लखवानी, अनिल रुपचंदानी, हीरा नागरची। **कार्यकारिणी सदस्य**- राजु नायक, सुरेश बुधवानी, नागेन्द्र तिवारी, राहुल श्रीवास्तव, नागेन्द्र वोरा, नवीन लाजरस, सागर तांडी, दीपक कुमार, मरकंद तांडी हेमू डेकाटे।

### तेज गर्मी और पानी की कमी से जलजनित बीमारियों का खतरा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेश में तेज गर्मी और पानी की कमी के कारण जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है. गंदे या दूषित पानी के इस्तेमाल से पीलिया और मियादी बुखार के मरीजों में वृद्धि हो रही है. महामारी संचालक डॉ. सुरेन्द्र पामभोई ने बताया कि इस साल अभी तक प्रदेश में लक्षण आधारित टायफाइड के 8,756 मरीज चिह्नित किए गए हैं. पिछले साल अप्रैल तक यह संख्या 10,954 थी. वहीं लैब कन्फर्म्ड टायफाइड के मामले विगत वर्ष के 247 की जगह इस बार केवल 124 ही रिपोर्ट हुए हैं. तीव्र हेपेटाइटिस के मामले अभी काफी कम हैं. इस साल 12 रिपोर्ट किए गए, जबकि पिछले साल 61 थे. राज्य स्तर पर साप्ताहिक सर्वेलेंस रिपोर्ट के मुताबिक, 15वें सप्ताह में इस साल की स्थिति पिछले साल (2025) की तुलना में बेहतर है. हेपेटाइटिस ई और कोलेरा के पॉजिटिव केस एक भी नहीं मिले हैं. डॉ. पामभोई ने कहा कि हेपेटाइटिस और टायफाइड के इलाज के लिए पहले से गाइड लाइन जारी किया गया है. इस साल इन बीमारियों से एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है.

### सावधान! आईएएस अधिकारी के नाम पर फर्जी ठगी की कोशिश, तारण प्रकाश सिन्हा ने कहा -सतर्क रहें

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस अधिकारी तारण प्रकाश सिन्हा के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों को मैसेज भेजकर ठगी की कोशिश करने का मामला सामने आया है। खुद अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मनरेगा आयुक्त ड्डस् तारण प्रकाश सिन्हा ने कहा कि उनके नाम और फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी फेसबुक आईडी बनाई गई है, जिसके जरिए लोगों को मैसेज कर मोबाइल नंबर समेत अन्य निजी जानकारी मांगी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आईडी पूरी तरह फर्जी है और इसका उनसे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ऐसे किसी भी मैसेज पर भरोसा न करें और न ही अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करें। यदि किसी को इस तरह की आईडी या संदिग्ध मैसेज मिलते हैं तो तुरंत उसे रिपोर्ट करें और इसकी जानकारी उन्हें भी दें। प्रशासन ने भी आम जनता से सोशल मीडिया पर सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी से बचने की सलाह दी है।

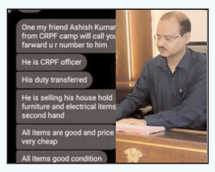


### बिजली पोल से वायर चुराने वाला सिंडिकेट गिरफ्तार-4 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

**रायपुर।** राजधानी रायपुर से लगे तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में बिजली पोल से वायर चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस सिंडिकेट के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी सुनियोजित तरीके से लाइन शॉर्ट कर बिजली पोल को क्षतिग्रस्त करते और वायर चोरी कर फरार हो जाते थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों के नाम देव प्रसाद पारधी, मनमोहन नारंग, हेमलाल धृतलहरे और पंकज कुमार टंडन हैं। तिल्दा नेवरा पुलिस के अनुसार चोरी की घटना ग्राम कोनारी में हुई थी, यहां किसानों के कृषि पंप कनेक्शन के लिए लगाए गए बिजली पोल को अज्ञात चोरों ने तोड़कर एल्यूमिनियम वायर काट लिए थे। इस मामले की शिकायत कनिष्ठ यंत्री अनिल कुमार वर्मा ने थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर

# विदेशी फंडिंग को लेकर कांग्रेस का हमला

## दीपक बैज ने कहाः बीजेपी चला रही राजनीतिक प्रोपेगेंडा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके में विदेशी फंडिंग को लेकर सियासत गरमा गई है। नक्सल प्रभावित इलाकों में कथित विदेशी फंडिंग और धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस आमने-सामने हैं। इस पूरे मामले में दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे पूरी तरह से राजनीतिक प्रोपेगेंडा करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने के लिए विदेशी फंडिंग जैसे संवेदनशील विषय का इस्तेमाल कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मीडिया से बातचीत में कहा कि धर्मांतरण को लेकर विदेशी फंडिंग का जो मामला उठाया जा रहा है, वह वर्ष 2025 से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि उस समय राज्य और केंद्र दोनों जगह भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार थी। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि अगर विदेशी फंडिंग हुई, तो वह किसकी निगरानी में हुई और अब तक उस पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार की बात करने वाली भाजपा को जवाब देना चाहिए कि आखिर उनकी सरकार रहते हुए विदेशी फंडिंग कैसे हुई? अगर यह गंभीर मामला है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

भाजपा सिर्फ आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ लेना चाहती है।दीपक बैज ने आगे कहा कि इस मामले में किसी भी जांच से कांग्रेस को कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी एजेंसी हो, सभी से जांच करवाई जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर भाजपा को लगता है कि कोई गड़बड़ी हुई है, तो वे सभी जांच एजेंसियों से जांच करवा लें। कांग्रेस को इससे कोई डर नहीं है। लेकिन बिना ठोस सबूत के जनता को गुमराह करना गलत है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक रंग देकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। बैज ने कहा कि यह पूरी तरह से एक सुनियोजित रणनीति है ताकि सरकार अपनी विफलताओं से जनता का ध्यान हटा सके। इसी दौरान भाजपा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर को लेकर भी दीपक बैज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह एहसास हो चुका है कि पिछले ढाई वर्षों में उसने जनता से किए गए वादों में से एक भी पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने डबल इंजन सरकार के नाम पर झूठे वादे करके जनता से वोट लिया था, लेकिन अब जब सच्चाई सामने आ रही है, तो वह प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से फिर से झूठ बोलने की रणनीति बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दरअसल जनता को गुमराह करने की एक कोशिश है। बैज ने कहा कि यह कोई विकास या नीति का प्रशिक्षण नहीं है, बल्कि यह झूठ बोलने और जनता को भ्रमित करने की ट्रेनिंग है।विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विशेष सत्र बुलाने का निर्णय पूरी तरह से अनावश्यक है और इससे केवल जनता के पैसे की बर्बादी होगी। बैज ने कहा कि क्या भाजपा इस विशेष सत्र का खर्च खुद वहन करेगी? आखिर लाखों रुपये खर्च करके सत्र बुलाने का औचित्य क्या है उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल पहले ही 2023 में पारित हो चुका है और वह कानून का रूप ले चुका है। ऐसे में इस मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाने का कोई औचित्य नहीं बनता।

### जिलों में प्रशिक्षण की कार्ययोजना को लेकर भाजपा की बैठक

# कार्यकर्ताओं के कौशल विकास पर होगा फोकसः संतोष पांडेय

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी की शनिवार को प्रदेश कार्यालय में अगले महीने से शुरू होने वाले प्रशिक्षण को लेकर अहम बैठक होने वाली है। जिलों में प्रशिक्षण वर्ग को लेकर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि बीजेपी सिर्फ चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर समय तैयारी करती है। शांतिकाल में भी हम युद्ध के लिए शस्त्र तैयार रखते हैं। कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास, कार्यपद्धति की ट्रेनिंग देंगे। प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं के कौशल विकास फोकस होगा। मंडल, जिला और प्रदेश स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित होंगे।

ईडी जांच में नक्सल प्रभावित इलाकों में विदेशी फंडिंग का खुलासा होने के बाद छत्तीसगढ़ का सियासी तेज है। राजनांदगांव से भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने कांग्रेस और भूपेश बघेल पर हमला बोला है। गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इसीलिए कांग्रेस और भूपेश बघेल ने ईडी पर रोका छेका किया। कांग्रेस ने फॉरेन फंडिंग से लोगों को जेएनयू भेजा। आदिवासी क्षेत्रों में फंडिंग से कई गतिविधियां संचालित की गई। कांग्रेस का नक्सलियों के बीच नेटवर्क था, यह जनता जान चुकी थी।

भाजपा सांसद ने कहा कि मोदी सरकार ने विदेशी फंडिंग वाले गैर सरकारी संगठन पर रोक लगाई। वहीं प्रदेश में धर्मांतरण रोकने के लिए कानून भी भाजपा ही लेकर आई।

भारतीय राजनीति में शुक्रवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम हुआ। संदीप पाठक, राघव

चड्ढा समेत कई आप सांसद ने पार्टी छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली। इसे लेकर बीजेपी सांसद संतोष पांडे ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक कहावत है। बकरी पालना हो तो फईरिका से भी काम चल जाता है। लेकिन बीजेपी का गेट बहुत बड़ा है, सिंहद्वार है। इसमें सभी तरह के लोगों का प्रवेश हो जाता है। उन्हें अपनी रीति-नीति में ढाल कर राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाया जाता है।

टीएस सिंहदेव के प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की आशंका को लेकर बड़ा बयान दिया था। इस पर अब बीजेपी सांसद संतोष पांडे ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि इतने परेशान क्यों हो रहे हैं टीएस सिंहदेव। कोरोना काल में अफवाह फैलाने का ठेका आपने ही ले रखा था। कोरोना वैक्सीन के बारे में क्या अफवाह नहीं फैलाया? यहां तक कहा था कि इससे विकृति होगी, नपुंसकता आ जायेगी। लेकिन उसी वैक्सीन से हमने 150 देश की मदद की थी।

# बुधरी मड़कम को प्रशासन की तत्परता से एम्स रायपुर में मिला नया जीवन

■ संजीवनी बना मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप

**रायपुर।** सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के मिचवार निवासी आदिवासी महिला बुधरी मड़काम के लिए मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया। गंभीर बीमारी से जूझ रही बुधरी की हालत लगातार बिगड़ रही थी और शुरुआती लक्षणों के आधार पर कैंसर या टीबी जैसी आशंका जताई जा रही थी। लेकिन समय रहते कैंप में हुई जांच ने स्थिति की गंभीरता को पहचान लिया और प्रशासन की तत्परता से उसे सही उपचार की दिशा में तुरंत आगे बढ़ाया गया।

मरीज की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. आरके सिंह द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई और बुधरी को तत्काल एम्स रायपुर रेफर कराया गया। यह निर्णय मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हुआ। जिला स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता ने यह सुनिश्चित किया कि दूरस्थ इलाके की यह महिला

इलाज के लिए बड़े अस्पताल तक सुरक्षित और समय पर पहुंच सके। करीब एक सप्ताह की जांच के बाद बुधरी को दुर्लभ बीमारी सरकॉइडोसिस होने की पुष्टि हुई और 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 15 दिनों के इलाज के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट आई। सबसे बड़ी राहत यह रही कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पूरा उपचार निःशुल्क हुआ। यह घटना स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के उस संकल्प को भी साकार करती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गंभीर मरीजों को रायपुर ले जाकर बेहतर इलाज दिलाया जाएगा। यह कहानी सुकमा प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है, जिसने एक आदिवासी महिला को नया जीवन देकर मानवता और सेवा की मिसाल कायम की है। कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि सुकमा के दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

# नक्सल क्षेत्रों में विदेशी फंडिंगः ईडी की जांच में सामने आया करोड़ों का संदिग्ध लेनदेन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में विदेशी फंडिंग का बड़ा मामला सामने आया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में खुलासा हुआ है कि धमतरी और बस्तर जैसे संवेदनशील जिलों में विदेशों से करोड़ों रुपये भेजे गए हैं। फिलहाल एजेंसी इस बात की जांच कर रही है कि इन पैसों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया।

ईडी के अनुसार, एक अमेरिकी एजेंसी के जरिए करीब 6.5 करोड़ रुपये की रकम छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भेजी गई। शुरुआती जांच में यह रकम धमतरी और बस्तर में खर्च होने की बात सामने आई है, हालांकि इसके उपयोग को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

यह मामला तब सामने आया जब ईडी ने विदेशी डेबिट कार्ड के जरिए भारत में हो रही फंडिंग

की जांच के लिए 18 और 19 अप्रैल को देश के कई राज्यों में छापेमारी की। इसी दौरान बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मीका मार्क नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा गया।

जांच में पता चला कि विदेशी बैंक डेबिट कार्ड के माध्यम से भारत में बार-बार कैश निकाला जा रहा था।

ईडी की जांच में इस फंडिंग का संबंध The Timothy Initiative नामक संगठन से सामने आया है, जो ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार से जुड़ा बताया जा रहा है।

एजेंसी के मुताबिक, इन पैसों का उपयोग भारत में संगठन के खर्चों के लिए किया गया, जबकि यह संस्था विदेशी चंदा विनियमन कानून के तहत पंजीकृत नहीं है।

ईडी के प्रेस नोट के अनुसार, अमेरिका के ट्रूइस्ट बैंक से जुड़े डेबिट कार्ड भारत लाए गए और एटीएम के जरिए लगातार नकदी निकाली गई। पिछले कुछ वर्षों में इन कार्डों से छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में असामान्य और संदिग्ध तरीके से बड़ी रकम निकाले जाने के प्रमाण मिले हैं।

फिलहाल ईडी इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस पैसे का अंतिम उपयोग कहां और किन गतिविधियों में किया गया।

इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं, क्योंकि मामला नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से जुड़ा होने के कारण संवेदनशील माना जा रहा है।

### रायपुर में हॉलीडे पैकेज के नाम पर ठगी

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में हॉलीडे पैकेज के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। टूर एंड ट्रेवल्स कंपनी के संचालक ने एडवांस के रूप में करीब 2.94 लाख रुपए लेकर कंपनी बंद कर दी और फरार हो गया। शिकायत के बाद तेलीबांधा थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान नागेश कुमार के रूप में हुई है। तेलीबांधा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती नगर निवासी पीड़ित महेश सिंह राजपूत ने शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक आरोपी नागेश, मैग्नेटो मॉल स्थित 'प्लू वेरियंट' नाम की ट्रैवल एजेंसी का संचालन करता था। उसने आकर्षक हॉलीडे पैकेज का झांसा देकर पीड़ित से एडवांस में पैसे ले लिए। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने देश-विदेश के टूर पैकेज का लालच दिया और यह भरोसा दिलाया कि पूरी व्यवस्था उसकी कंपनी करेगी। पीड़ित के अनुसार पैसे लेने के बाद न तो कोई ट्रिप बुक की गई और न ही किसी तरह की सेवा दी गई।

# सेंट्रल जेल में महिला बंदी के आत्महत्या प्रयास से हड़कंप, प्रताड़ना के आरोपों पर जांच शुरू

**रायपुर।** राजधानी की सेंट्रल जेल में महिला बंदी द्वारा आत्महत्या की कोशिश की खबर सामने आने के बाद जेल प्रशासन पर सवाल खड़े हो गए हैं। महिला कैदी आशिमा राव के हाथ की नस काटने की घटना ने जेल सुरक्षा और अंदरूनी व्यवस्थाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, महिला प्रकोष्ठ में बंद कैदी ने कथित तौर पर मानसिक तनाव के बीच आत्मघाती कदम उठाया। घटना के बाद जेल प्रशासन ने उसे तत्काल उपचार उपलब्ध कराया, जहां प्राथमिक इलाज के दौरान उसके हाथ में टांके लगाए गए।

घटना कुछ दिन पुरानी बताई जा रही है, लेकिन मामला सामने आने के बाद परिजनों में नाराजगी बढ़ गई है। परिवार ने जेल के भीतर प्रताड़ना और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि तलाशी और चेकिंग के दौरान महिला बंदी के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया, जिससे वह मानसिक दबाव में आ गई। परिवार ने दावा किया है कि बंदी ने चिट्ठी के जरिए जेल के भीतर हो रही प्रताड़ना की जानकारी भी दी थी। इसी

के बाद परिजन जेल पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

इधर जेल प्रशासन ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि बंदी सुरक्षित है और स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों के मुताबिक नियमों के तहत कार्रवाई की गई थी और घटना को लेकर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि संबंधित महिला पिछले करीब छह महीने से एक आपराधिक मामले में जेल में बंद है। अब इस पूरे प्रकरण में जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आत्महत्या प्रयास के पीछे वास्तविक वजह क्या थी।

### मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जापान के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात

# निवेश, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उद्योगोन्मुखी और निवेश प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि

जापान तकनीकी दृष्टि से अग्रणी देश है और वहां की उन्नत विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के निवेश और सहयोग से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार हुआ है, जिससे उद्योगों के विस्तार के लिए बेहतर संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की।

इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, एफसेनल के डायरेक्टर श्री युकीहिरो मोमोसे, कोनोइके ट्रांसपोर्ट के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री तोशीहीरो फूजीवारा, एफएसएनएल के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सुनील कुमार दीक्षित तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व सीएमडी श्री के. डी. दीवान उपस्थित थे।

# अबूझमाड़ के ईरपानार गाँव में पहली बार पहुँची बिजली

**रायपुर।** कभी नक्शे पर नाम भर रह गया ईरपानार आज उम्मीदों की नई पहचान बन गया है। अबूझमाड़ के गहरे जंगलों, ऊंचे पहाड़ों और दुर्गम पगडंडियों के बीच बसे इस छोटे से गांव में पहली बार बिजली पहुँची है। वर्षों तक अंधेरे में जीवन गुजारने वाले ग्रामीणों के घरों में जब पहली बार बल्ब जले, तो गांव ने सिर्फ उजाला नहीं देखा, बल्कि विकास को महसूस किया।

ईरपानार नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित है, लेकिन यह दूरी सामान्य रास्ते जैसी नहीं है। यहां तक पहुंचने के

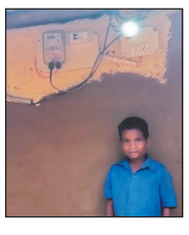

लिए कच्चे मार्ग, पहाड़ी चढ़ाई, घने वन क्षेत्र और कई स्थानों पर पैदल सफर करना पड़ता है। बरसात के मौसम में संपर्क और भी कठिन हो जाता है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, नारायणपुर संभाग ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया। कार्यपालन अभियंता सहित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद मिशन मोड में काम कर सफलता हासिल की।

कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया कि ईरपानार तक बिजली पहुंचाना सामान्य तकनीकी कार्य नहीं था। कई हिस्सों में बिजली खंभे, तार और सामग्री पहुंचाने के लिए कठिन श्रम करना पड़ा। टीम को ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों, जंगलों और सीमित संसाधनों के बीच काम करना पड़ा। कई स्थानों पर मशीनों की बजाय मानव श्रम और स्थानीय सहयोग से सामग्री पहुंचाई गई।बिजली लाइन विस्तार, पोल स्थापना और कनेक्शन कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा कर विभागीय टीम ने मिसाल पेश की है।

## कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

### निविदा सूचना
### (प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत रू (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 02/184729 | Dismentling Work of B5 Dharohar Jail Road at Raipur (C.G.) | रू. 18.47 लाख |

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 13.05.2026 समय सायं 5.30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
रायपुर मंडल क्र.-1, रायपुर (छ.ग.)

जी-262700371/3

# महिला आरक्षणः भावनाओं का जाल- विपक्ष गिरफ्तार

**मृत्युंजय दीक्षित**

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच केंद्र सरकार ने देश की महिलाओं को संसद व राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ वर्ष 2034 की बजाए 2029 से देने के लिए 131वां संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया। यह संशोधन विधेयक पारित होने के लिए इसके पक्ष में दो तिहाई बहुमत चाहिए था। कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस व डीएमके जैसे दलों ने इस संशोधन को समर्थन नहीं दिया जिससे दो तिहाई बहुमत न मिलने के कारण यह 298 मतों के मुकाबले 230 मतों से गिर गया। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक गिरने के बाद विपक्षी दलों ने इसको प्रधानमंत्री की हार बताते हुए मेजें थपथपाकर जश्न मनाया। लोकसभा में विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया था कि इन सभी विधेयकों में उत्तर दक्षिण से कोई भेदभाव नहीं किया गया है तथा सरकार इसका कोई क्रेडिट भी लेना नहीं चाहती। साथ ही प्रधानमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा था कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाले लंबे समय तक इसका खामियाजा भुगतेंगे, नंबर का खेल समय तय करेगा किंतु नारी नीयत देखेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में मतदान से पूर्व कई बार विरोधी दलों से बिल का समर्थन प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से विपक्षी सांसदों से भावुक अपील भी की थी। प्रधानमंत्री के सभी प्रयासों के बाद भी राजनैतिक स्वार्थ, अहंकार व सामंतवादी मानसिकता से त्रस्त परिवारवादी राजनैतिक दलों ने यह बिल पारित नहीं होने दिए। यदि यह विधेयक पारित हो जाते तो यह सत्र भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव बन जाता। विधेयक को दो तिहाई मत मिलने पर विरोधी दल ऐसे आनंदित हो रहे हैं जैसे उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार गिरा दी हो। वो इसे मोदी की हार कह रहे हैं और यही विरोधी दलों ने एक राजनैतिक भूल है। महिला आरक्षण बिल भाजपा के लिए चित भी मेरी - पट भी मेरी वाला खेल बन गया है और पार्टी इस विषय को लेकर आक्रामक रूप से जनता में जा रही है। सदन में सभी विरोधी दलों ने परिसीमन और आरक्षण को लेकर भ्रम व झूठ का मायाजाल फैलाया। कुछ दलों ने जातीय जनगणना पर झूठ बोला और एससी-एसटी, ओबीसी, दलित आदिवासी व मुस्लिम महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की मांग कर डाली। समाजवादी पार्टी ने दो कदम आगे जाकर 33 प्रतिशत आरक्षण के अंदर ही मुस्लिम महिलाओं के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण की मांग करते हुए बिल को असंवैधानिक बताकर अपने मुस्लिम तुष्टिकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाया। वास्तविकता यह है कि धर्म आधारित आरक्षण संविधान के विरुद्ध है जिसका असफल प्रयास कुछ दक्षिणी राज्यों में किया गया था जिसे सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है। वहीं यदि परिसीमन करने वाला बिल और महिला आरक्षण बिल पारित हो जाते तो जनसंख्या वृद्धि के अनुसार 2029 में महिला सांसदों की संख्या 272 हो जाती और देश के राजनैतिक परिदृश्य में एक व्यापक परिवर्तन दिखाई पड़ता। विरोधी दलों ने लोकसभा में यह विधेयक गिरा दिया है लेकिन अब यह उनके लिए, चिड़िया चुग गई खेत वाली कहावत सिद्ध करने जा रहा है। भाजपा ने इसे अपने पक्ष में बड़ा राजनैतिक हथियार बना लिया है। इस विषय को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करके अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस का काला चिट्ठा खोलकर विस्तारपवूर्वक देशवासियों के समक्ष रखा और बताया कि किस प्रकार कांग्रेस ने सभी सुधारवादी प्रयासों का विरोध किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिवारवादी पार्टियों को डर है कि अगर नारी सशक्त हो गई तो इनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

# बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया इतिहास

**मनोज कुमार अग्रवाल**

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं।

इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चड़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है।

हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से

कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। नौदा में हुमायूं कबीर द्वारा लगाए गए आरोप और खैराशोल में ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे उस व्यापक चुनौती की ओर इशारा करती हैं, जिसमें निष्पक्षता और पारदर्शिता को लगातार परखा जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसे बनाए रखना सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं।

जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका बोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से लेकर पंचायत राजनीति तक, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई ने कई बार हिंसक रूप लिया। पार्टी सोसाइटी जैसी अवधारणाएं इसी पृष्ठभूमि में जन्मी, जहां राजनीति ने सामाजिक ढांचे को पूरी तरह प्रभावित किया। 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है। हिंसा में कमी एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूरी तरह शांतिपूर्ण चुनाव अभी भी एक लक्ष्य है, जिसे हासिल करना बाकी है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक जागरूकता तीनों का समन्वय जरूरी है। हालांकि इन सबके बीच अच्छी बात यह है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है, 2021 के विधानसभा चुनाव में 83.17 और 2016 विधानसभा चुनाव 82.66 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यह आंकड़ा 92 या 93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि बंपर वोटिंग का फायदा किसे होगा? राजनीतिक विश्लेषकों की राय अक्सर इस मुद्दे पर बंटी रहती है।

एक पक्ष का मानना है कि उच्च मतदान प्रतिशत आमतौर पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, यानी लोग बदलाव चाहते हैं और इसलिए बड़ी संख्या में वोट डालने निकलते हैं। यदि इस तर्क को मानें, तो यह भाजपा के पक्ष में जा सकता है, जो खुद को परिवर्तन का विकल्प बताती रही है। वहीं दूसरा पक्ष यह मानता है कि अधिक मतदान का मतलब यह भी हो सकता है कि सत्तारूवु दल के समर्थक अपने आधार को मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में मतदान कर रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी पकड़ को देखते हुए यह तर्क भी कमजोर नहीं है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लोगों तक पहुंचा है, वहां सत्तारूढ़ दल के समर्थन में अधिक मतदान देखा जा सकता है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्य के लोगों ने एसआईआर के विरोध में वोटिंग किया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है।

दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

**पुराण दिग्दर्शन ....**

# सन्देहाभासनिकारणाध्यायः ( नौवां अध्याय )

**( गतांक से आगे... )**

वे सब इन्द्र साहित उनंचास मरुद् देवता हुवे, जो भगवान् ने अनुरभूत दिति माता के दोष को दूर करके अमृत पीने वाले देवताओं में मिला लिये ॥ 65 ।। जब दिति जगी तो वह अग्नि के समान तेजस्वी 46 कुमारों को और इन्द्र को देखकर प्रसन्न हुई ॥68 ।। और इन्द्र से बोली कि हे पुत्र! मैंने अदिति पुत्रों को भयभीत कर सकने वाला बेटा उत्पन्न करने के लिये यह कठिन पुंसवन व्रत किया था ॥66 ॥ परन्तु मेरा तो एक पुत्र को उत्पन्न करने का संकल्प था ये 46 कैसे हो गये? हे तात! यदि आपको यह बात विदित हो तो सत्य बतला दीजिये, झूठ की आवश्यकता नहीं। 70 ।। इन्द्र ने कहा- हे माता! मैं तेरी (देवशत्रु पुत्र उत्पन्न करने की अभिलाषा जानकर तुम्हारे निकट आया था । (व्रतभंग का) अवसर पाकर मैंने

धर्मभाव से नहीं बल्कि स्वार्थ बुद्धि से प्रेरित होकर तुम्हारा वह गर्भछेद डाला ॥71 ।। मैंने गर्भ के सात टुकड़े किये तो वे सातों बालको हो गए फिर मैंने उनमें से प्रत्येक के सात 2 टुकड़ेकर डाले तथापि वे न मरे ।। 72 ।। सो हे माता! आप जैसी पूज्या को मुझ मूर्ख का किया हुआ यह अपराध क्षमा कर देना चाहिए क्योंकि प्रारब्ध से वह मारा हुआा गर्भ तथैव जीवित रहा है ।।76 ।। इस तरह इन्द्र के शुद्ध भाव से दिति संतुष्ट हुई और वह इन्द्र भी मरुद् देवताओं सहित आज्ञा पाकर दिति को प्रणाम करके स्वर्ग को चला गया ।।77 ॥

**वास्तविक भाव**

वेद और पुराण दोनों में उक्त आख्यान समान रूप से वर्णित है, हर दो जगह इन्द्र का गर्भ छेदना सुस्पष्ट है, इसमें यदि कुछ अन्तर है तो केवल यह है कि पुराणकार ने जहाँ अन्त में इन्द्र द्वारा अपराध क्षमा याचना पूर्वक इस कार्य को दोषता से उन्मुक्त करने का आदर्श प्रकट किया है।

**क्रमशः ..**

# विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

**कमलेश पांडे**

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि 9 अगस्त 1999 को, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) ने विश्व बौद्धिक संपदा दिवस को अपनाने का प्रस्ताव रखा। जबकि अक्टूबर 1999 में, डब्ल्यूआईपीओ की महासभा ने एक विशेष दिन को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के रूप में घोषित करने के विचार को मंजूरी दी, जो कि 26 अप्रैल है। तभी से विश्व बौद्धिक संपदा दिवस प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाता है।

किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा सृजित कोई संगीत, साहित्यिक कृति, कला, खोज, प्रतीक, नाम, चित्र, डिजाइन, कापीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेन्ट आदि को बौद्धिक संपदा कहते हैं। क्योंकि जिस

प्रकार कोई किसी भौतिक धन यानी फिजिकल प्रापर्टी का स्वामी होता है, उसी प्रकार कोई बौद्धिक सम्पदा का भी स्वामी हो सकता है। इसलिये बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रदान किये जाते हैं। आप अपने बौद्धिक सम्पदा के उपयोग का नियंत्रण कर सकते हैं और उसका उपयोग करके भौतिक सम्पदा यानी धन बना सकते हैं।

इस प्रकार बौद्धिक सम्पदा के अधिकार के कारण उसकी सुरक्षा होती है और लोग खोज तथा नवाचार के लिये उत्साहित और उद्यत रहते हैं। बता दें कि बौद्धिक संपदा कानून के तहत, इस तरह के बौद्धिक सम्पदा के स्वामी को अमूर्त संपत्ति के कुछ विशेष अधिकार दिये गए हैं, जैसे कि संगीत, वाद्ययंत्र, साहित्य, कलात्मक काम, खोज और आविष्कार, शब्दों, वाक्यांशों, प्रतीकों और कोई डिजाइन आदि।

शब्द संपदा एवं शब्द संपत्ति एक दूसरे के समानार्थी शब्द हैं, जिसका तात्पर्य बुद्धि संबंधित या बुद्धि संबंधित से अर्थात बुद्धि अथवा मस्तिष्क द्वारा पैदा की गई या उत्पादित की गई वस्तु, जिसे कोई व्यक्ति अपने बौद्धिक श्रम से उत्पादित करता है, वह उस व्यक्ति की बौद्धिक संपदा होती है। यदि साधारण बोलचाल की भाषा में समझाएं तो ऐसी वस्तु जिसे कोई व्यक्ति अपनी बुद्धि से उत्पन्न करता है।

सामान्यत: संपदा व भौतिक वस्तुएं वे हैं जो विधि द्वारा मानव प्रवीणता एवं श्रम के अभ्यर्थिक उत्पाद के रूप में मान्यता प्राप्त करते हैं। उदाहरण- लेखकों की रचनाएं, अविष्कार कर्ताओं के आविष्कार, विचारकों के विचार, संकल्पना एवं साहित्य, संगीतात्मक, कलात्मक, नाट्य, ध्वनि, यांत्रिक, अभिव्यक्तियां।

बता दें कि इस आयोजन की स्थापना पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन दैनिक जीवन पर कैसे प्रभाव डालते हैं, के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी। वहीं, रचनात्मकता का जश्न मनाने के लिए और विकास के लिए रचनाकारों और नवप्रवर्तनकर्ताओं द्वारा किए गए योगदान का जश्न मनाने के लिए की गई। दरअसल, बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को और बढ़ावा देने के लिए, दुनिया भर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव का विस्तार करने के लिए, विभिन्न सदस्य देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित करने और लोकप्रिय बनाने के लिए, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाने,

# कैसे बिखर गया केजरीवाल का कुनबा?

**रेनू तिवारी**

आम आदमी पार्टी (आप) के लिए 15 साल पुराना साथ शुक्रवार को उस समय एक कड़वे अंत की ओर बढ़ता दिखा, जब पार्टी के पोस्टर बॉय रहे राघव चड्ढा ने भाजपा का दामन थाम लिया। चड्ढा का यह कदम न केवल निजी महत्वाकांक्षा का परिणाम है, बल्कि इसने राज्यसभा में आप की ताकत को लगभग शून्य करने की पटकथा लिख दी है। हालांकि, सात सांसदों के दावे और धरातल पर दिख रही उपस्थिति के बीच हस्ताक्षर का एक पुराना साया फिर से मंडराने लगा है।

उन्होंने ऐलान किया कि वह अपने साथी राज्यसभा सांसदों संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ आप छोड़ रहे हैं और भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चार अन्य सांसद - हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल- भी पाला बदलेंगे।

हालांकि चड्ढा ने कहा था कि आप के सात सांसद भाजपा में जाएंगे, लेकिन अब तक केवल दो सांसद -पाठक और मित्तल- ही 37 वर्षीय चड्ढा के साथ नज़र आए हैं, जो बाद में भाजपा में शामिल हो गए। बाकी चार नेता चड्ढा की प्रेस कॉन्फ्रेंस और भाजपा के शामिल होने के समारोह में गैर-मौजूद थे। हालांकि, साहनी ने बाद में पुष्टि की कि उन्होंने आप छोड़ दी है और भाजपा में शामिल हो गए हैं। मालीवाल ने भी कहा कि उन्होंने पार्टी छोड़ दी है, लेकिन उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में कुछ साफ नहीं बताया।

चड्ढा का पार्टी छोड़ना आप के भीतर बढ़ते तनाव और राज्यसभा में उप-नेता के पद से हटाए जाने के कुछ हफ्तों बाद हुआ। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन पर पार्टी की राजनीतिक विचारधारा से भटकने का आरोप लगाया था, जबकि चड्ढा ने दावा किया कि उन्हें पार्टी के भीतर चुप करा दिया गया था। दिलचस्प बात यह है कि मित्तल, जिन्होंने राज्यसभा में पार्टी के नए उप-नेता के तौर पर चड्ढा की जगह ली थी, वह भी उनके साथ ही भाजपा में शामिल हो

गए। अगर सभी सात सांसद औपचारिक रूप से पाला बदल लेते हैं, तो इसका मतलब होगा कि राज्यसभा में आप की ताकत लगभग खत्म हो जाएगी। पार्टी के पास अभी उच्च सदन में 10 सांसद हैं, और सात सदस्यों के पाला बदलने से दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता से बचने के लिए ज़रूरी दो-तिहाई सांसदों की संख्या पूरी हो जाएगी। इसके बाद, उच्च सदन में पार्टी के पास केवल तीन सांसद ही बचेंगे।

हालांकि, उस समय की राजनीतिक स्थितियों ने कुछ संदेह पैदा कर दिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में, चड्ढा ने ज़ोर देकर कहा कि उनके पास सभी सात सांसदों के हस्ताक्षर वाले सहमति पत्र मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पाला बदलने का समर्थन करने वाले सभी सांसदों के हस्ताक्षर ले लिए गए हैं और इसके बाद संसदीय अधिकारियों के साथ औपचारिक बातचीत की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सांसदों के कथित तौर पर हस्ताक्षरित ये पत्र, फिलहाल सार्वजनिक मंच पर उपलब्ध नहीं हैं।

इस बीच, आप सूत्रों के अनुसार, बाकी बचे तीन राज्यसभा सांसदों में से एक, एनडी गुप्ता ने कहा कि वह सभापति सीपी राधाकृष्णन को चड्ढा, पाठक और मित्तल के खिलाफ एक पत्र सौंपेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस पत्र में दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई की मांग की जाएगी।

गौरतलब है कि 2023 में, चड्ढा पर एक संसदीय प्रस्ताव में सांसदों के नाम उनकी स्पष्ट सहमति के बिना शामिल करने से जुड़े आरोप लगे थे। पांच राज्यसभा सांसदों ने चड्ढा के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की मांग की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दिल्ली सेवा विधेयक पर प्रस्तावित चयन समिति में उनकी सहमति के बिना उनके जाली हस्ताक्षर जोड़े गए थे। आप ने इन आरोपों से इनकार किया था। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इन शिकायतों की जांच की घोषणा की थी। इस विधेयक की जांच के लिए राघव चड्ढा ने ही उच्च सदन में चयन समिति का प्रस्ताव रखा था। यह विवाद अंततः राज्यसभा की आचार समिति तक पहुंचा, जिसने उनके खिलाफ शिकायतों की जांच की। इस विवाद के चलते चड्ढा को कई महीनों के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था, जिसके बाद उन्हें बहाल कर दिया गया। हालांकि, इस विवाद से जुड़े हालात और चड्ढा के भाजपा में शामिल होने के हालात पूरी तरह से अलग हैं।

चड्ढा द्वारा नामित सांसदों में से एक, साहनी ने भाजपा में शामिल होने के अपने फैसले की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि उन्हें पंजाब के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और इस विश्वास ने प्रेरित किया कि केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने से वह अधिक प्रभावी ढंग से योगदान दे पाएंगे। साहनी ने एक्स पर लिखा, मेरा मानना है कि भाजपा का हिस्सा बनकर, मैं केंद्र सरकार के सहयोग से पंजाब और उसके लोगों की सेवा अधिक समर्पण और प्रभावशीलता के साथ कर पाऊंगा।

पंजाब को एक भावना, एक विरासत और एक साझा जिम्मेदारी बताते हुए, साहनी ने कहा कि राज्य इस समय एक कठिन वित्तीय दौर और अनिश्चित समय से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से सहकारी संघवाद और केंद्र-राज्य के मजबूत संबंधों में विश्वास रहा है। इसी भावना के साथ मिलकर काम करके, हम पंजाब में स्थिरता, विकास और उम्मीद वापस ला सकते हैं।

आप की बागी सांसद मालीवाल ने भी इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने पार्टी छोड़ दी है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या वह भाजपा में शामिल हो गई हैं, जैसा कि चड्ढा ने दावा किया था। लेकिन, उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर उसके कामकाज को लेकर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज बड़े दुख के साथ मुझे यह कहना पड़ रहा है कि जिन सिद्धांतों, मूल्यों और ईमानदार राजनीति के संकल्प के साथ हमने यह यात्रा शुरू की थी, उन्हें अरविंद केजरीवाल और उनके इशारे पर पूरी आप ने छोड़ दिया है।

उन्होंने केजरीवाल के आवास पर शारीरिक हमले के आरोपों को भी दोहराया, दावा किया कि उन पर हमला किया गया और उन्हें अपमानित किया गया, जबकि आरोपी को बचाया गया और पुरस्कृत किया गया। उन्होंने आरोप लगाया, मुझे बर्बाद करने की धमकियां दी गईं, और मेरे खिलाफ हर संभव प्रयास किया गया।

पार्टी के भीतर बेकाबू भ्रष्टाचार, महिलाओं के साथ उत्पीड़न की घटनाओं और पंजाब के साथ विश्वासघात का हवाला देते हुए, मालीवाल ने कहा कि उन्होंने आप छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि वह एक संसदीय समिति की बैठक के लिए इंटानगर में हैं और दिल्ली लौटने के बाद इस बारे में और विस्तार से बात करेंगी।

केजरीवाल और संजय सिंह सहित आप के वरिष्ठ नेताओं ने चड्ढा और अन्य सांसदों पर तीखा हमला किया है, उन पर पंजाब के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है, और यह भी आरोप लगाया है कि भाजपा ने ऑपरेशन लोटस के तहत उन्हें अपने पाले में कर लिया।

यह विवाद आप के लिए एक संवेदनशील समय पर सामने आया है; पिछले साल दिल्ली में सत्ता गंवाने के बाद अब आप सिर्फ पंजाब में सत्ता में है, और 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। पार्टी से और अधिक लोगों का जाना पार्टी के आंतरिक संकट को और गहरा कर सकता है, और उसकी एकमात्र बची हुई राज्य सरकार को बचाने के प्रयासों को और जटिल बना सकता है।

## आज का इतिहास

1945 द्वितीय विश्व युद्ध- जर्मन और पोलिश-सोवियत दोनों पक्षों ने जीत का दावा किया क्योंकि बॉटलन की लड़ाई में प्रमुख लड़ाई समाप्त हो गई।
1946 अमेरिका के इलिनोइस के नैपेरविले में दो यात्री गाड़ियों में टक्कर हो गई, जिसमें 45 लोग मारे गए और लगभग 125 लोग घायल हो गए।
1955 583 प्रदर्शनों के बाद जिस्मफेल्ड थियेटर न्यूयॉर्क सिटी में किस्मत बंद हो गई।
1964 तंजानिका और ज़ांज़ीबार विलय के साथ तंजानिया में जूलियस नायरेरे के साथ इसके पहले अध्यक्ष बने।
1966 7.5 तीव्रता वाले भूकंप से उज्बेकिस्तान का ताशकंद शहर पूरी तरह तहस नहस हो गया।
1970 विश्व बौद्धिक संपदा संगठन अस्तित्व में आया जब इसका चार्टर लागू हुआ।
1986 चेरनोबिल, यूक्रेनीएसएसआर के पास चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को एक भाप विस्फोट का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप आग लगी, एक न्यूक्लियोमेडटाउन और 336,000 से अधिक लोगों का निकासी और पुनर्वास यूरोप में हुआ।
1989 ज़ेड इब्न शेखर जद अल-रिफाई की जॉर्डन के प्रधानमंत्री के रूप में चुने गए।
1989 तियानमेन स्क्वायर में अशांति फैलाने की निंदा करते हुए पीपुल्स डेली में एक संपादकीय प्रकाशित किया गया था, जो विरोध के बाकी हिस्सों को रोक देगा।
1989 बांग्लादेश के मानिकगंज जिले में एक तूफान आया, जिसमें 1,300 लोग मारे गए, जो इतिहास का सबसे घातक तूफान था।
1990 चीन में 6.9 तीव्रता वाले भूकंप से 126 लोग मारे गये।
1994 जापान के नगोया में ताइवान एयरबस ए-300 दुर्घटनाग्रस्त होने से 262 लोगों की मौत हो गयी।
1995 लंबी हड़ताल के बाद बेसबॉल सीज़न शुरू किया गया था।
1996 वार्विकशायर के लिए शॉन पोलक ने 4 गेंदों में 4 विकेट लिए थे।
1996 जैकी ओ स्टफ की 4 दिनों की लंबी कार्रवाई .34.5 मिलियन पर समाप्त हुई थी।
1999 नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष मनमोहन अधिकारी का निधन।
2002 निष्कासित छात्र रॉबर्ट स्टाइनहूसर ने जर्मनी के एरफर्ट में गुटेनबर्ग-जिमनैजियम एरफर्ट में आत्महत्या करने से पहले 16 लोगों की हत्या कर दी और सात अन्य को घायल कर दिया।

# न्यायपालिका में अविश्वास, लोकतंत्र को चोट

**आलोक मेहता**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह भारत के दो नेता-राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल हाल के वर्षों में चुनाव आयोग, संसद और अदालत जैसी संवैधानिक संस्थाओं के निर्णयों को चुनौती देते हुए उनकी विश्वसनीयता पर गंभीर संकट खड़े कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार और पार्टी के विरुद्ध अभियान चलाते हुए ये अब सीबीआइ और इडी के साथ वरिष्ठ न्यायाधीशों पर भी पूर्वाग्रह, पक्षपात के आरोप लगा रहे हैं। यानी ये जनता और दुनिया को बताना चाहते हैं कि न्यायपालिका पर भी भरोसा न किया जाये। यह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है। यही कारण है कि दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने केजरीवाल सहित प्रतिपक्ष के नेताओं को गंभीर चेतावनी दी है। केजरीवाल ने शराब नीति घोटाले में निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में खुद पेश होकर न्यायाधीश के विरुद्ध दलीलें पेश करते हुए खूब प्रचार लूटा। यदि इस मामले में उनकी ओर से कोई सामान्य वकील पेश हुआ होता, तो उसकी बातों का प्रचार नहीं हो सकता था।

अरविंद केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के समक्ष शराब नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने के लिए अपनी दलील पेश की और सीबीआइ की याचिका की सुनवाई कर रही न्यायाधीश के खिलाफ कई आपत्तियां रखीं। बाद में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर कर अपने नये आवेदन में केजरीवाल ने न्यायमूर्ति से जुड़े हितों के टकराव की आशंका जतायी। उन्होंने आरोप लगाये कि न्यायाधीश के बेटे और बेटी को केंद्र सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है, जो सीबीआइ के माध्यम से इस मामले में पक्षकार हैं। उनका तर्क इस कानूनी सिद्धांत पर आधारित था कि पूर्वाग्रह की उचित आशंका भी न्यायाधीश को हटाने की मांग के लिए पर्याप्त है। उनका कहना था कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए।

सामान्य नियम-परंपरा के अनुसार कई मामलों में जज स्वयं किसी प्रकरण या व्यक्ति से कोई पुराना संबंध होने पर अलग हट जाते रहे हैं। फिर प्रभावशाली केजरीवाल की तरह कोई सामान्य व्यक्ति अदालत में तारीखें या फैसला टलवाने के लिए जज की जाति, धर्म या कोई अन्य कारण बताकर जज को बदलने की मांग करने लगे, तब अदालत क्या सुनेगी?

सच तो यह है कि फैसले के बाद भी ऐसा आरोप लगाने पर अदालत की अवमानना के आधार पर सजा तक हो सकती है। केजरीवाल ने अपनी याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के एबीएपी (अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद) के साथ उनके वैचारिक जुड़ाव की संभावना की ओर इशारा किया था, जो वकीलों का एक संगठन है और जिसे आरएसएस से संबद्ध माना जाता है। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा से अपने मामले से हटने की मांग करते हुए पक्षपात की आशंका जतायी।

सीबीआइ ने केजरीवाल के मामले से खुद को अलग करने के अनुरोध का विरोध करते हुए तर्क दिया कि इस तरह तो कई न्यायाधीश सरकारी मामलों की सुनवाई के लिए अयोग्य होने लगेंगे। एजेंसी के वकील ने दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि ऐसे दावे कानूनी रूप से निराधार हैं और संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था को बाधित कर सकते हैं। अच्छा यह हुआ कि न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा ने केस से हटने वाली केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए सख्त संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत आरोपों या सोशल मीडिया दबाव के कारण जज का हटना न्यायिक स्वतंत्रता के लिए घातक है।

अदालत ने केजरीवाल की दलीलों को निराधार बताते हुए कहा कि जजों की क्षमता पक्षकार नहीं, बल्कि उच्च अदालतें तय करती हैं और न्याय प्रक्रिया केवल मेरिट पर चलती है। निश्चित रूप से देश की अदालतों में नियुक्त होने वाले हर जज की छात्र जीवन से लेकर पारिवारिक पृष्ठभूमि रहती है। उनके माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी, मित्र किसी न किसी कार्य, संस्था, व्यवसाय, राजनीतिक संगठन से जुड़े हो सकते हैं। उच्च न्यायालयों के जज तो एक लंबे कानूनी अनुभव के बाद नियुक्त होते हैं। उस दौरान वे किसी संस्था के सार्वजनिक कार्यक्रम में भी जाते रह सकते हैं। यूं पिछले पचास-साठ साल में कई वरिष्ठ जज न केवल राजनीतिक पार्टी से आये, बल्कि पार्षद, विधायक अथवा सांसद रहे, या कई वर्ष तक जज रहने के बाद सांसद बन गये। तो क्या उन सबके कामकाज और फैसलों पर राजनीतिक पूर्वाग्रह के आरोप लगाये जा सकते थे या लगाये जा सकते हैं?

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना जाता है। हालांकि समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या न्यायपालिका वास्तव में पूरी तरह राजनीति से मुक्त रही है? पिछले करीब साढ़े सात दशकों में कई ऐसे उदाहरण सामने आये हैं, जहां न्यायाधीशों का राजनीति से प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध देखा गया। न्यायपालिका ने कई बार अपनी स्वतंत्रता सिद्ध की है, परंतु राजनीति से उसके संबंधों ने बार-बार प्रश्न भी खड़े किये हैं। आपातकाल में न्यायपालिका पर राजनीतिक प्रभाव दिखाई पड़ा था। तब वरिष्ठता को दरकिनार कर जस्टिस एएन रे को प्रधान न्यायाधीश बनाया गया था। जस्टिस बहरुल इस्लाम पहले कांग्रेस के सांसद रहे, फिर न्यायाधीश और फिर पुन: राजनीति में आ गये। वह भारतीय न्यायिक इतिहास का अनोखा और विवादास्पद उदाहरण था। जस्टिस विजेंद्र जैन मेरे भी मित्र थे। न्यायाधीश बनने से पहले वह कांग्रेस पार्टी के नेता रहे। उन्होंने दिल्ली नगर निगम के पार्षद के रूप में कार्य किया।

बाद में उन्होंने वकालत शुरू की, फिर दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए और कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की और ऐतिहासिक फैसले दिये। हाल के वर्षों में भी रिटायर होने के बाद कुछ बड़े न्यायाधीश सांसद या राज्यपाल बने। राजनीतिक विवादों के बाद न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका सीमित हुई और कॉलेजियम प्रणाली शुरू हुई। लेकिन तब परिवारवाद और पक्षपात के आरोप स्वयं कानूनविद लगाने लगे। पर जब आरोपी ही जज तय करने लगेंगे, तब न्याय व्यवस्था का क्या होगा? इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्रीय जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय के छापों की कार्रवाई में बाधा डालने के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि इसे केंद्र-राज्य के संबंधों के संवैधानिक अधिकार नहीं माना जा सकता है।

# ईरान की ताकत बरकरार अमेरिका के घटे हथियार!

**नीरज कुमार दुबे**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया। हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है। इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है। राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है। अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है। इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा।

# महिला आरक्षण बिल: किसे होगा नफा, किसे नुकसान

**मुस्ताअली बोहरा**

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल दो दिनों की बहस के बाद लोकसभा में 131 वां संशोधन विधेयक खारिज हो गया। केंद्र ने संसद का विशेष सत्र बुलाया था जो 16 अप्रैल को शुरू हुआ और 18 अप्रैल तक चला। 12 साल के शासन में मोदी सरकार को संसद में पहला बड़ा झटका लगा। महिला आरक्षण बिल खारिज हो जाने के बाद राजनीति भी तेज हो गई है। बीजेपी इस बिल के पास ना हो पाने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ रही है तो विपक्ष ने इसे राजनीतिक एजेंडा करार दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने सदन में तीनों विधेयकों का विरोध करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री को जब लगता है कि वो चुनाव हार जाएंगे तो वो नियम ही बदल देते हैं, ये विधेयक सिर्फ राजनीतिक मकसद से लाए जा रहे हैं। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि ये समझने की जरूरत है कि महिला आरक्षण विधेयक साल 2023 में ही पारित हो चुका है। सदन में परिसीमन के जरिए दक्षिण भारतीय राज्यों का हक मारने की साजिश की हार हुई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हम महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने से कभी सहमत नहीं हो सकते। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ ही एमके स्टालिन ने भी इसे साजिश करार दिया था। दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा था कि महिलाओं को आरक्षण देना समय की मांग है और जो इसका विरोध करेगा वह लंबे समय तक इसकी कीमत चुकाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नाम संदेश भी दिया। इस पूरे घटनाक्रम से एक बात तो साफ हो गई कि महिला बिल को बीजेपी काफी सोच समझकर सदन में लाई थी।

मोदी सरकार ने लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए थे। पहला, संविधान (131 वां संशोधन) विधेयक 2026, दूसरा, परिसीमन विधेयक 2026 और तीसरा विधेयक केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2026। संविधान (131 वां संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 जिसे महिला आरक्षण अधिनियम

के नाम से भी जाना जाता है, उसमें संशोधन करना था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद ने सितंबर 2023 में लगभग सर्वसम्मति से पारित किया था। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान था। यह विधेयक लोकसभा में आगे नहीं बढ़ पाया। सदन के नियमों के अनुसार, संविधान संशोधन विधेयक उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से ही पारित हो सकता था। पक्ष में 298 सांसदों के वोट पड़े जबकि 230 सांसदों ने विरोध में वोट डाला। इसके बावजूद विधेयक को जरूरी दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया। लोकसभा में 537 सांसद हैं और विधेयक को पास कराने का जादुई आंकड़ा 360 वोट था। सत्तारूढ़ एनडीए में 240 भाजपा सांसदों सहित 293 सदस्य हैं, जिसमें पर 67 सीटों की कमी रह गई।

भाजपा ने महिला बिल पास ना होने को लेकर अभी से सियासी माहौल बनाना शुरू कर दिया है। तो दूसरी तरफ, कांग्रेस भी हमलावर है। तर्क दिया जा रहा है कि किसी राजनीतिक पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष कांग्रेस से थी एनी बेसेंट, देश की पहली महिला प्रधानमंत्री कांग्रेस से थीं श्रीमती इंदिरा गांधी, पहली महिला मुख्यमंत्री कांग्रेस से थीं सुचेता कृपलानी, देश की पहली महिला राष्ट्रपति कांग्रेसनीत शासनकाल में थीं श्रीमती प्रतिभा पाटिल, पहली महिला न्यायाधीश भी कांग्रेस के शासन में थीं फातेमा बीबी। कांग्रेस का सवाल है कि बीजेपी चुनाव में महिलाओं को अधिक टिकट क्यूं नहीं देती, मंत्री मंडल में अधिक महिलाओं को क्यूं शामिल नहीं किया जाता, सरकारी नौकरियों में महिलाओं का आरक्षण कोटा क्यूं नहीं बढ़ाया जाता। राहुल गांधी भी कह चुके हैं कि महिला आरक्षण बिल तो 2023 में पारित हो चुका है, जो बिल लाया गया वो एससी-एसटी और ओबीसी के खिलाफ है।

बहरहाल मोदी सरकार के एक दशक से ज्यादा के कार्यकाल में एक भी बिल नहीं गिरा। जितने भी बिल पेश किए गए, सभी संसद में पास हुए लेकिन पहली बार इतना अहम बिल लोकसभा में गिर गया। मालूम हो कि पिछले 24 साल के दौरान कोई भी सरकारी बिल नहीं गिरा था। साल 2002 में पोटा बिल गिरा था। उसके 24 साल बाद कोई बड़ा बिल सदन में गिरा है। 12 साल में मोदी सरकार का पहला बड़ा बिल गिरा है। ऐसा तो हो नहीं सकता, बीजेपी के थिंक टेंक को इसका अंदाजा नहीं था, या वो इस बात से अनभिज्ञ थे कि उनके पास विधेयक पास कराने लायक बहुमत नहीं है। तो क्या भाजपा ये बिल यूपी और बंगाल चुनाव के नजरिए से लाई थी। इसके अलावा अगले लोकसभा चुनाव में महिला मतदाताओं को विपक्ष से दूर कर अपने पक्ष में लुभाने के लिए बीजेपी ने ये पासा फेंका था। वैसे भी, महिला मतदाताओं का साथ बीजेपी को मिलता रहा है। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना, मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना आदि की जादू चुनाव में दिख ही चुका है। ये तो तय है कि महिला आरक्षण बिल पास ना होने को भाजपा सियासी हथियार बनाएगी। हालांकि, पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों से तय हो जाएगा कि ये मुद्दा किसे नफा और किसे नुकसान पहुंचाता है। साथ ही अगले साल यूपी और फिर अन्य राज्यों के विधानसभा और 2029 में लोकसभा चुनाव तक ये मुद्दा बना रहता है या भी नहीं।

# बांग्लादेश में बदले की सियासत, यह संशोधन लोकतंत्र के लिए खतरनाक

**तस्लीमा नसरीन**

बांग्लादेश में अवामी लीग पर फिर से प्रतिबंध इतिहास की निर्मम पुनरावृत्ति है। इससे पहले याह्या खान ने 25 मार्च, 1971 को इसे प्रतिबंधित किया था। तब पाकिस्तानी शासकों के खिलाफ युद्ध लड़कर बंगालियों ने एक स्वाधीन, धर्मनिरपेक्ष बांग्लादेश के निर्माण का सपना देखा था। उस लड़ाई का नेतृत्व जिस राजनीतिक शक्ति ने किया था, आज वही पार्टी अपने देश में प्रतिबंधित है। यह एक अद्भुत परिहास और आत्मघाती वास्तविकता है कि जो पार्टी स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक थी, वह स्वतंत्र राष्ट्र में बंगालियों के हाथों ही प्रतिबंधित हुई है।

राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबंध लगाने की प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन यह रास्ता गणतंत्र को धीरे-धीरे ध्वंस के रास्ते पर धकेल देता है। आज जो लोग यह मानकर चल रहे हैं कि एक बड़ी पार्टी को प्रतिबंधित कर वे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से बच जाएंगे, वे या तो इतिहास नहीं जानते या संभवत: इतिहास की भयावह परिणति की उपेक्षा कर रहे हैं। एक पार्टी को प्रतिबंधित करने का मतलब सिर्फ नेताओं की नहीं, बल्कि करोड़ों वोटरों की आवाज बंद करना है। किसी पार्टी पर प्रतिबंध लगाने से राजनीति खत्म नहीं हो जाती, बल्कि वह नेपथ्य में चली जाती है। इससे अतिवाद, हिंसक भावना व राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के बढ़ने की आशंका पैदा होती है।

किसी देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी को प्रतिबंधित करने पर उस देश की लोकतांत्रिक छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षतिग्रस्त होती है। निवेश, कूटनीति और वैश्विक संबंधों पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। किसी पार्टी के खिलाफ भ्रष्टाचार, तानाशाही और हिंसा के गंभीर आरोप क्यों न हों, उन सबकी जांच और गलत नीतियों में सुधार लाना जरूरी है, प्रतिबंध इसका समाधान नहीं है। प्रतिबंध लगाए जाने पर उसके समर्थक खुद को वंचित और उपेक्षित समझने लगते हैं। इससे संघर्ष, प्रतिशोध और अस्थिरता का माहौल बनने की आशंका होती है। प्रतिबंधित पार्टी को कई बार जनता 'पीड़ित' तथा 'अन्याय का शिकार' समझती है। इससे ऐसी पार्टी के प्रति सहानुभूति उमड़ती है, जो भविष्य में उसे और ताकतवर बना सकती है।

किसी राजनीतिक पार्टी को थोड़े समय के लिए तो हटाया जा सकता है, लेकिन दीर्घावधि में इसका नतीजा बदला, जवाबी बदला और अनिश्चय के रूप में सामने आता है, जो किसी भी राष्ट्र के लिए नुकसानदेह है। इतिहास में इसके भयावह उदाहरण हैं। वर्ष 1933 में जर्मनी के संसद

भवन में आग लगने की घटना को आधार बनाकर हिटलर ने कम्युनिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया था। फिर, एक के बाद एक सभी राजनीतिक दलों को प्रतिबंधित किया गया। नतीजतन, बहुदलीय लोकतंत्र एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द सिमट गया। बांग्लादेश का इतिहास खुद इसका उदाहरण है। वर्ष 1971 में पाकिस्तानी शासक याह्या खान ने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया था। क्या उससे वह पार्टी खत्म हो गई? नहीं, इसके बजाय उस पार्टी ने ही मुक्ति युद्ध का नेतृत्व कर स्वतंत्र बांग्लादेश के गठन में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, यानी जिस पार्टी का ठोस सामाजिक-राजनीतिक आधार हो, प्रतिबंध लगाकर भी उसे मिटाया नहीं जा सकता।

मुस्लिम विश्व के अधिकांश देशों में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की जगह सीमित है। उस दृष्टि से बांग्लादेश का मुस्लिम देशों में विशिष्ट स्थान था। लेकिन अब वहां की राजनीतिक तस्वीर बदल चुकी है। बांग्लादेश की संसद में इस्लामी जिहादियों का प्रवेश हो चुका है, जो लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के लिए बड़ी चिंता की बात है। धर्म आधारित राजनीति सिर्फ राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को ही विकृत नहीं करती, बल्कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर भी हमला करती है, महिलाओं के अधिकारों पर हमला करती है, मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है, और संविधान की मूल नीति का भी उल्लंघन करती है। राष्ट्र में धर्म को प्रधानता मिलने पर कानून, शिक्षा, नीति-सभी क्षेत्रों में नागरिकों को समान अवसर दिए जाने की नीति भी बाधित होती है। ऐसे में, अवामी लीग को प्रतिबंधित करने का फैसला सिर्फ उस पार्टी को नहीं, बल्कि पूरी राजनीतिक व्यवस्था को ही संकट की ओर धकेल दे रहा है। बदले की राजनीति से बाहर निकलकर कानून के शासन, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और जनता के फैसलों के प्रति सम्मान दिखाना ही लोकतंत्र को बचाए रखने का एकमात्र ठोस रास्ता है। नहीं तो, यह सिलसिला चलता रहेगा, जिससे राष्ट्र और लोकतंत्र, दोनों को बेहद नुकसान उठाना पड़ेगा।

बड़ी राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध लगाए जाने से वोटिंग के विकल्प सीमित होने पर सत्ता पर एकदलीय या नियंत्रित व्यवस्था के स्थायी होने की आशंका बढ़ती है। ऐसे में, कट्टरवादी या अलगाववाद में विश्वास करने वाली पार्टी को मजबूती मिल सकती है। इससे राजनीतिक संतुलन खत्म हो सकता है, जो देश की स्थिरता को नुकसान पहुंचाता है।

किसी राजनीतिक दल को प्रतिबंधित करने पर सवाल उठता है कि कानून कितना निरपेक्ष है। अगर कानून का इस्तेमाल राजनीति के हथियार के तौर पर किया गया, तो सत्ता की राजनीति और कानून-व्यवस्था पर से भरोसा डगमगाता है। चुनाव आयोग, संसद, न्यायपालिका- ये सब अगर सत्ता की राजनीति के प्रभाव के दायरे में आ गए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस प्रतिबंध से एक खतरनाक नजीर बन सकती है। ऐसे में, कोई भी राजनीतिक पार्टी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेगी। लोकतंत्र की असली शक्ति प्रतिस्पर्धा में है, प्रतिबंधों में नहीं। अगर कोई राजनीतिक पार्टी सचमुच जनसमर्थन खो बैठती है, तब मतदाता ही वोट की ताकत से उसे खारिज कर देंगे। वही रास्ता अपनाना चाहिए।

राजनीतिक दलों को प्रतिबंधित करना कभी भी स्थायी समाधान नहीं हो सकता। अतीत में सत्तासीन होने पर शेख हसीना ने खालिदा जिया को गिरफ्तार करवाया था। वह बदले की राजनीति के जैसा उदाहरण था। आज अवामी लीग को प्रतिबंधित करने का फैसला भी उसी बदले की राजनीति से चालित है। ऐसी राजनीति अंतत: राष्ट्र को ही कमजोर कर देती है।

बांग्लादेश की संसद में आतंक विरोधी कानून में संशोधन करके जिस तरह एक राजनीतिक दल को प्रतिबंधित करने का फैसला लिया गया है, वह भी गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे पहले इस कानून के जरिये कभी किसी व्यक्ति के अपराध के लिए उसकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराने का प्रावधान नहीं था। कानून में यह संशोधन देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरनाक है।

# यदि ईरान पर जमीनी हमला हुआ तो...

**विकास मिश्रा**

ऐसा शायद ही कभी होता है कि किसी जंग के दौरान कोई देश अपने आर्मी चीफ को पद से हटा दे! मगर यह अभी-अभी अमेरिका में हुआ है। अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज से इस्तीफा ले लिया गया है। हर ओर यही चर्चा चल रही है कि इसका कारण क्या है? क्या व्हाइट हाउस और अमेरिकी सेना के बीच रिश्तों में सामंजस्य नहीं है? विशेषज्ञों का कहना है कि जॉर्ज और उनके कई वरिष्ठ सहयोगी इस बात के खिलाफ थे कि ईरान पर जमीनी हमला किया जाए। संभव है कि इन्हीं कारणों से उन्हें पद से चलता किया गया हो! तो क्या नए कार्यवाहक आर्मी चीफ के नेतृत्व में ईरान पर जमीनी हमला होने वाला है? यदि ऐसा हुआ तो हालात क्या होंगे? निश्चित रूप से अमेरिकी सेना दुनिया की सबसे बेहतरीन सेना है। ईरान में उसने अपने पायलट को मौत के मुंह से बाहर निकाल कर बता दिया है कि वह जो चाहे कर सकती है। मगर सवाल यह है कि अमेरिका जैसे महारथी को वियतनाम से लेकर अफगानिस्तान और ईराक तक जिस स्थिति का सामना करना पड़ा क्या वैसी ही स्थिति ईरान में पैदा होगी? यदि हम भौगोलिक रूप से देखें तो ईरान काफी बड़ा देश है और सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के लिए उस पर जमीनी हमला करना आसान नहीं होगा। जब अमेरिका ने ईराक पर हमला किया था तो उसे करीब डेढ़ लाख सैनिकों की जरूरत पड़ी थी। ईरान तो ईराक की तुलना में चार गुना ज्यादा बड़ा है। ईरान का सैन्य ढांचा काफी बड़ा और मजबूत है। यदि इस नजरिये से भी देखें तो अमेरिका को जमीनी हमले के लिए कम से कम छह लाख सैनिक तो उतारने ही होंगे। फिर भी तेहरान पर कब्जा करना शायद ही संभव हो पाए! ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे सुरक्षा प्रदान करती है। उसके पश्चिम में इराक-तुर्की, उत्तर में अजरबैजान-आर्मेनिया-तुर्कमेनिस्तान, कैस्पियन सागर, पूर्व में अफगानिस्तान और पाकिस्तान तथा दक्षिण में फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी है। समुद्र के बड़े हिस्से पर उसका दबदबा है तो दूसरी ओर ऊंचे पहाड़ और तीसरी ओर रेतीले मैदान उसकी सुरक्षा करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि जिस तरह से ईरान ने अमेरिकी हवाई हमलों का जवाब दिया है, उससे एक बात तो तय है कि हमलों से निपटने की तैयारी वह काफी पहले से कर रहा था। यदि अमेरिकी सेना इराक की ओर से जमीनी हमला करती है तो पहाड़ी कंदराओं में छिपे ईरानी सैनिक आग बरसाने के लिए तैयार मिलेंगे। ईरान ने कहा भी है कि वे आग बरसाने को तैयार हैं। संभव है कि समुद्र के रास्ते अमेरिकी सैनिक पहुंचें लेकिन वहां भी ईरान की कुछ न कुछ तैयारियां जरूर होंगी। इसके अलावा ईरानी सेना ने होर्मुज सहित दूसरे सभी इलाकों में यदि समुद्री माइन्स बिछा दिए हों तो भी अमेरिकी सैनिकों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा और बहुत क्षति की आशंका बनी रहेगी। वैसे यह भी कहा जा रहा है कि अमेरिकी सेना पूर्ण युद्ध में उतरने का खतरा मोल नहीं लेगी बल्कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों पर हवाई मार्ग से पहुंच कर कब्जा करेगी। एक तो खार्ग द्वीप पर कब्जा करना ताकि ईरान की आर्थिक कमर को पूरी तरह तोड़ दिया जाए। इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि ईरान के पास जो संवर्धित 450 किलो यूरेनियम है, उसे भी नष्ट किया जाए। कहा जा रहा है कि यह यूरेनियम इजराइली हमले के दौरान मलबे के रूप में परिवर्तित हो गए परमाणु संस्थान के नीचे दबा है। इस यूरेनियम तक ईरानी सेना भी नहीं पहुंच पा रही है। अमेरिका कहता है कि यूरेनियम इस स्थिति में है कि कुछ ही दिनों में ईरान कम से कम 11 परमाणु बम बना सकता है। इसलिए इसे जब्त करके या तो नष्ट कर दिया जाए या फिर अमेरिका ले जाया जाए! यह बात सुनने में जितनी आसान लगती है, क्या वास्तव में उतनी आसान होगा? ईरानी सेना क्या आसानी से ऐसा होने देगी? निश्चित रूप से यदि अमेरिका ऐसी कोशिश करता है तो भीषण संघर्ष की स्थिति पैदा होनी ही होनी है। इसलिए अमेरिका चाहता है कि पहले ईरानी सेना को पंगु बना दिया जाए। संभव है, इसके लिए बड़े पैमाने पर बमबारी की जाए। अमेरिका कुछ न कुछ जरूर बड़ा करेगा क्योंकि उसे ये चिंता सता रही है कि यदि ईरान को वह परास्त नहीं कर पाता है और जंग को अपनी चाहत के अनुरूप परिणाम तक नहीं पहुंचा पाता है तो मध्य पूर्व के मित्र देशों का उस पर भरोसा कम होगा। वैसे भी इन देशों पर ईरान के हमलों ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या अमेरिका उन्हें सुरक्षित रख पाएगा?

## फेंगशुई के टोटके

- कभी भी खाने का आखिरी कौर किसी पार्टी या समारोह में मत खाइये क्योंकि ये आपके लिये गरीबी लाता है और आपके भाग्य को दबाता है।
- कभी भी टूटी-फूटी क्राकरी में समान न लगाएं। ये नकारात्मक ऊर्जा छोड़ती हैं और आप जो भी उस समय बोलेंगे, आपका बोला हुआ आपको परेशानी में डाल देगा।
- मेहमानों को चाय देते वक्त केतली के मुंह की नली को मेहमानों की तरफ न रखें। ये आपस में गलतफहमी पैदा करसकता है।
- अगर प्लॉट या बिल्डिंग का आकार गोल,त्रिभुजाकार या तिरछा हो तो यह एक के बाद एक परेशानियों को खड़ा करता है।
- शराब पीते समय अगर कोई आखिरी जाम पीने को दे तो मना मत करें क्योंकि ये जाम आपकी घर वापसी के लिए अच्छा है।

# तनाव कम करें ध्यान से

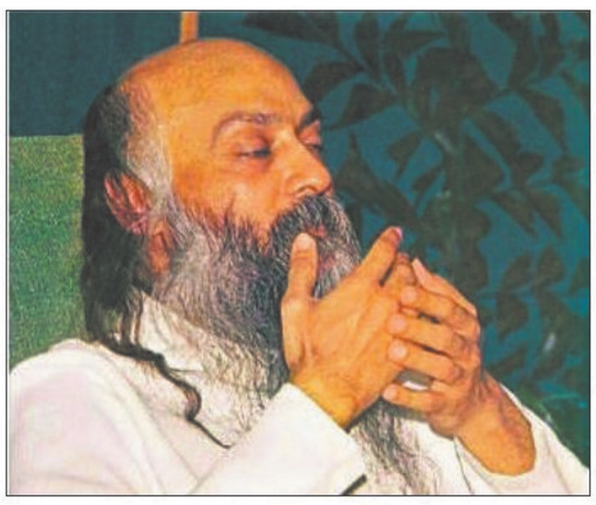

**आज** के युग को विज्ञान का युग माना जाता है। जीवन के हर पहलू पर विज्ञान का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। परन्तु मेरा ऐसा मानना है कि आज का युग तनाव का युग है। तनाव का व्यक्ति पर चार प्रकार का प्रभाव पड़ता है- मानसिक, भावनात्मक, मनोशारीरिक एवं शारीरिक।

**मानसिक प्रभाव:** अवसाद, दुश्चिंता, कुंठाएं आदि व्याधियां उत्पन्न होती है।

**भावनात्मक प्रभाव:** क्रोध, चिड़चिड़ापन आदि।

**मनोशारीरिक प्रभाव:** सिरदर्द, पेट में घाव, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, त्वचीय घाव, अपच, शारीरिक दर्द, थकान आदि।

**शारीरिक प्रभाव:** शरीर का भार बढ़ जाने या घट जाना, मोटापा, मधुमेह, यकृत में विकृति, हृदयघात आदि।

**हृदय**-रोग से मरने वाले कृषि-मजदूरों की संख्या से बीस गुनी अधिक संख्या हृदय रोग से मरने वाले डॉक्टरों की है। डॉक्टर लोग तनावपूर्ण जीवन बिताते है और उसका खामियाजा वे इस तरह चुकाते है।

इसी संबंध में विलियम जेम्स ने ठीक ही लिखा है, 'भगवान भले ही पापों को क्षमा कर दें किन्तु स्नायु संस्थान हमें किसी भी भूल के लिए क्षमा नहीं करता।'

प्रेक्षाध्यान, ध्यान की उत्कृष्ट पद्धति है। तनावों अथवा दबावों को दूर करने अथवा उनका प्रबंधन करने में प्रेक्षाध्यान एवं उसके विभिन्न अवयव किस प्रकार उपयोगी सिद्ध हो सकते है, इसका वर्णन प्रस्तुत है-

**कायोत्सर्ग:** कायोत्सर्ग वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति स्वत: सूचन पद्धति से अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों को विसर्जित करता है। इस प्रक्रिया से शरीर को गहन विश्राम मिलता है, जो शरीर को पुन: ऊर्जामय बनाने में सहायक होता है। स्नानु मंडल सहित शरीर के सभी संस्थानों को भी गहन विश्राम मिलता है। उनकी क्रियाओं में सुधार आता है और असामान्य क्रियाएं भी सामान्य होने लगती है।

**श्वास प्रेक्षा:** तनाव की स्थिति में हमारा श्वास असंतुलित हो जाता है। कार्बन-डाई-ऑक्साइड एवं ऑक्सीजन का विनिमय भलीभांति नहीं हो पाता है। श्वासप्रेक्षा के अभ्यास से श्वास दीर्घ,लयबद्ध एवं समतल बनता है।

**शरीर प्रेक्षा:** जब हम शरीर के विभिन्न अवयवों पर चित्त को केंद्रित करते है तो मस्तिष्क की शक्तियां उस स्थान पर केन्द्रिभूत हो जाती है। इससे वहां पर जो असंतुलन होता है, वह दूर हो जाता है।

**अन्तर्यात्रा:** अन्तर्यात्रा हमारी चेतना की शक्ति का ऊर्ध्वारोहण करने की प्रक्रिया है। शक्ति का ऊर्ध्वारोहरण हमें दबावों और तनावों से मुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

**चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा:** चैतन्य केन्द्र वे है, जहां हमारी तंत्रिकाओं के समूह पाए जाते है। हमारी अंत: स्त्रावी ग्रंथियों के स्त्राव नियमित एवं संतुलित होते है और हम दबाव व उससे उत्पन्न परिस्थितियों से कुशलता से निपटने में सक्षम होते हैं।

### तनावमुक्ति हेतु अन्य चिकित्सा

**आसन:** ताड़ासन, नौकासन, परिवर्तन मुद्रा (३० मिनट)।

**प्राणायाम:** दीर्घ श्वास, केवल रेचन, सूक्ष्म भस्त्रिका (५ मिनट)।

**प्रेक्षा:** सम्पूर्ण शरीर पर श्वेत रंग का ध्यान (१० मिनट)।

**अनुप्रेक्षा**

मैत्री एवं सहिष्णुता की अनुप्रेक्षा (१५ मिनट)।

**जाप**

ऊँ हीं श्रीं भगवते पार्श्वदेवाय हर हर स्वाहा (१० मिनट)।

**मुद्रा**

ज्ञान, सूर्य और सुरभि मुद्रा।

## अरबी ज्योतिष एक ऐसी प्रश्न विद्या है जिसमें प्रश्न पूछने और उसके समाधान के वास्ते व्यक्ति के नाम, जन्म-तिथि या मां-बाप के नाम आदि की जरूरत नहीं पड़ती है।

# प्रश्न विद्या-रमल

**भारतीय** ज्योतिष शास्त्र में जन्म-तिथि, जन्म समय और जन्म स्थान की आवश्यकता होती है। इन सब बातों द्वारा जातक का स्थानीय समय पंचांग की सूक्ष्म गणना कर लग्न आदि निकाल कर कुंडली बनाई जाती है। जन्म कुंडली के आधार पर जातक के भविष्य संबंधी प्रश्नों का जवाब विद्वान द्वारा दिया जाता है। इस शास्त्र में ग्रहों का भी विस्तृत प्रकार से गणित कर फलादेश प्राप्त होता है।

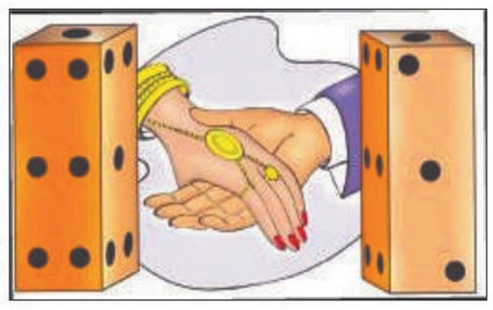

ज्योतिष में गणित और फलित दोनों अलग-अलग है। जो ज्योतिष का विद्वान अपने बुद्धि और विवेक से निर्धारित करता है। जन्म कुंडली में 12 घर होते हैं, जो कि सभी प्रकार की कार्य प्रणाली से संबंधित होते हैं। इसमें सभी प्रकार के प्रश्नों के लिए घरों का समावेश निहित हैं, जबकि रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में गणित व फलित एक ही बिन्दु यानी कि शून्य पर आधारित होता है। हालांकि बुद्धि और विवेक से यह कार्य बड़े ही तर्क संगत रूप से सावधानी से किया जाता है। जो समय आने पर करीब-करीब सटीक होता है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के प्रस्तार यानी कि जायचे के 16 घर होते हैं। चार घर इन्हीं के गवाहन यानी कि साक्षी घर होते हैं, जो कि पूर्व से विद्वानों द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

रमल शास्त्र द्वारा जीवन की प्रत्येक समस्या का समाधान मात्र पासे द्वारा किया जाता है। उक्त पासे को प्रश्नकर्ता के द्वारा पातन किया जाता है। यदि प्रश्नकर्ता रमल ज्योतिष के विद्वान के सम्मुख ना हो तो प्रश्न-फार्म द्वारा भी कार्य संपादित किया जाता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र मूलतह. तत्त्वों पर आधारित है। तत्त्व चार होते हैं। प्रथम अग्नि, द्वितीय वायु, तृतीय जल और चतुर्थ पृथ्वी तत्त्व हैं। जिसमें जातक के जीवन के स्थावर और जंगम पदार्थों का समावेश किए हुए हैं। रमल ज्योतिष में नौ ग्रह, बारह राशियां, सत्ताईस नक्षत्र भी विद्यमान हैं। जो एक निश्चिय स्थिति में कायम रहते हैं और गणित के समय बराबर कारगर बने रहते हैं।

# अन्तर्यात्रा

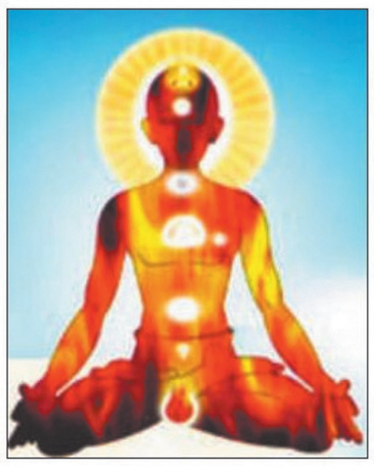

**इंसान** ने दूर-दिगन्त तक हजारों यात्राएं की, अनेक तीर्थयात्राएं भी की किन्तु अंतर्यात्रा करने का उसे ख्याल नहीं आया। बाहर की यात्रा करनी हो तो मानचित्र मार्ग दर्शन देता है या जिसने पूरी दुनिया की यात्रा कर ली है वह व्यक्ति भी सहायक बन सकता है। परन्तु अंतर्यात्रा के सारे रास्ते अनचिन्हे हैं इसलिए आदमी भीतर जितना भटकता है उतना बाहर नहीं भटकता। कोई ऐसा सोचे कि पहले सारी अंतर्यात्रा की जानकारी कर लेंगे और फिर यात्रा करेंगे वह अंतर्यात्रा नहीं कर सकता। वह तो ऐसा आदमी है जो यह कहे कि जब तक मैं तैरना न सीख लूं तब तक पानी में नहीं उतरूंगा।

जो इस तर्क बुद्धि से चलेगा वह पानी में बिना उतरे तैरना कैसे सीखेगा? इस अज्ञात यात्रा में अंतस की तीव्र रुचि ही मार्ग दर्शाएगी। भीतर चलना आसान नहीं है। वहां न रास्ते हैं न कोई पगडंडी सिर्फ अभीप्सा और प्यास के आधार पर ही चलना है।

जहां प्यास है वहां रास्ते खुल जाते हैं। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब शांतिपूर्वक धीरे-धीरे उस अंधेरे को देखोगे तो अंधेरा कम होता चला जाएगा और आत्मा का प्रकाश प्रगट होगा।

# ऊँचाई पर बने मंदिर देते हैं शांति

**पहाड़ों** का क्षेत्र बहुत ही रम्य-सुरम्य होता है। वहां का वातावरण बहुत सुंदर होता है। पहाड़ी क्षेत्रों में ऊंचे-ऊंचे पेड़-पौधे और सुंदर पुष्पों से क्षेत्र की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। पहाड़ों के ऊंचे टीले आदि देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। ऐसे सुंदर मनोरम स्थान पर देवी-देवताओं का वास हो तो दर्शनार्थी (दर्शन करने वाले का) मन वह सुंदर दृश्य देखकर पहले ही प्रसन्न हो जाता है उसके बाद मंदिर में प्रवेश करने पर पूर्ण शांति मिलती है। चहल-पहल और पापमय जिन्दगी से दूर पहाड़ी क्षेत्र में लोग शांति के लिए जाते हैं और वहां देवी-देवताओं का दरबार हो तो बात ही निराली है। देवी-देवता मनुष्यों से दूर नहीं रहना चाहते बल्कि उन्हें एकांत में बुलाकर शांति प्रदान करने का मार्ग प्रदान करते हैं। जहां चारों तरफ चिल्ल-पों होती रहेगी तो वहां देवी-देवताओं का ध्यान या पूजा करने हेतु आप चाहकर भी अपने मन को एकाग्र नहीं कर सकते। मन की एकाग्रता के लिए एकांत स्थान ही उत्तम

होता है। पूर्वकाल में ऋषि-महर्षि भी पहाड़ों की कन्दराओं और वनों में रहकर तप करते थे।

# वास्तु दोष निवारण पिरामिड

**प्रत्येक** राशि का स्वामी कोई न कोई ग्रह होता है। जब कोई ग्रह खराब स्थान पर बैठकर विपरीत प्रभाव उत्पन्न करता है तब मानव को कष्ट, पीड़ा और दु:ख भोगना पड़ता है। जीवन के सुख-दु:ख, लाभ-हानि इन्ही ग्रहों पर आधारित होते है। इसीलिये हमारे शास्त्रों में नवग्रहों की पूजा करने का विधान दिया गया है। इसके अतिरिक्त हमें जिस मकान, जिस भवन या घर में रहते हैं, वहां का वास्तुदोष भी हमारे लिये अनेकों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न कर देता है, हम इन समस्याओं से निरन्तर जूझते रहते हैं परन्तु यह नहीं समझ पाते कि इसका कारण क्या है। वास्तुदोष से हमारे घर, व्यापार, व्यवसाय, सम्बन्ध आदि सभी कुछ प्रभावित होते हैं। अत: हमें वास्तुदोषों का भी निवारण करना चाहिये। सभी व्यक्ति चाहते हैं कि उनका जीवन सुखमय हो, वे अपना जीवन अपने परिवार के साथ हंसते खेलते हुए बितायें।

परन्तु समय बड़ा बलवान होता है और समय के साथ ही ग्रहों का परिवर्तन हमारे जीवन में विभिन्न बाधायें उत्पन्न कर देता है, रही-सही कसर वास्तुदोष पूरी कर देते हैं और व्यक्ति का जीवन नरक के समान हो जाता है। इसके उपाय के लिए ग्रह-वास्तुदोष निवारण पिरामिड। इस पिरामिड की चारों दिशाओं में श्रीयंत्र, अष्टलक्ष्मी यंत्र, वास्तुदोष निवारक यंत्र तथा नवग्रह दोष निवारण यंत्र स्थापित किया गया है। श्री यंत्र से आय में वृद्धि होती है, अष्टलक्ष्मी यंत्र आठों लक्ष्मीयों की प्राप्ति करवाता है, वास्तुदोष निवारण यंत्र वास्तुदोषों का शमन करता है तो नवग्रह दोष निवारण यंत्र ग्रहों के कुप्रभाव एवं ग्रहों के दोषों को शान्त करता है।

# बीमारियों को दूर करते हैं ग्रह

**लग्नेश** एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य को संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ्य मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्यग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप रोगों के निदान के लिए सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। नौ ग्रह कारक के रूप में भी शरीर के विभिन्न अंगों को नियंत्रित करते हैं। जैसे सूर्यग्रह हृदय, चंद्रग्रह फेफड़े, मंगल ग्रह रक्त, बुधग्रह त्वचा, बृहस्पति ग्रह लीवर, शुक्र ग्रह किडनी, शनिग्रह पैर, यूरेनस ग्रह द्वारा आसानी से पता न लगने वाली बीमारियां, नेपच्यून ग्रह नर्वस सिस्टम, राहु ग्रह द्वारा सांस, केतु ग्रह द्वारा क्रानिक बीमारियों की जानकारी मिलती है. आरोग्यता के लिए प्राथमिक रूप से जानकारी लग्न, लग्नेश एवं कारक सूर्य के द्वारा मिलती है। लग्नेश एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य का संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ्य मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्य ग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप रोगों के निदान के लिये सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। इसके कारण बीमारी की अवस्था में भी शीघ्रतापूर्वक स्वस्थ करने में सामर्थ प्रदान करते हैं। आमतौर पर मनुष्य में धीरे-धीरे विभिन्न प्रकार के रोग क्रमश: वृद्धावस्था के दौरान बढ़ते जाते हैं। साथ ही कई बीमारियां निरन्तर रूप से शुरू हो जाती हैं, जिनका कारक ग्रह शनि है, जो कि उम्र के साथ-साथ रोगों की भी वृद्धि करने का सूचक है। अत: जब भी शनि ग्रह जन्म कुंडली में बलशून्य हो जाए अथवा क्लेच्छ ग्रह द्वारा आक्रांत हो जाए तब यह विभिन्न प्रकार के रोगों की उत्पत्ति में सहायक सिद्ध होता है। परन्तु यदि मंगल ग्रह बलशाली हो तब कुछ हद तक इसमें कमी आ सकती है एवं जातक के उत्साह में वृद्धि हो सकती है।

## संतान रेखाएं

**सामुद्रिक** शास्त्र में हथेली का जितना महत्व होता है, उससे अधिक महत्व संतान रेखाओं का भी होता है। जिन्हें हम हथेली पर इस तरह देख सकते हैं।

- विवाह रेखा पर खड़ी रेखा ही संतान रेखा होती है।
- पतली,लंबी और स्पष्ट रेखा पुत्र की द्योतक होती हैं।
- निर्बल एवं कमजोर रेखा पुत्री की द्योतक होती हैं।
- टूटी हुई एवं अस्पष्ट रेखाएं अशुभता की ओर इशारा करती हैं।
- स्पष्ट खड़ी रेखा का बीच से टूटना अशुभ है।
- पतली खड़ी रेखा का बीच से टूटना शुभ नहीं माना जाता है।

कुछ विद्वान शुक्र पर्वत पर अंगूठे के नीचे की सीधी रेखाओं को भी संतान रेखा मानते हैं, परंतु अधिकांश ज्योतिष विवाह वाली रेखा के ऊपर वाली रेखाओं को ही संतान रेखा मानते हैं। अत: भविष्यवाणी करते समय सभी शास्त्रसम्मत बातों को ध्यान में रखकर ही अनुमान लगाएं।

## सिसाडा

**फेंगशुई** में सिसाडा को अमर बनाने वाला माना जाता है। इसे बुरे समय या भाग्य को बदलने वाला कीट कहते हैं। फेंगशुई विशेषज्ञों के मुताबिक इसे अपने घर में आगे की दो टांगों के जरिए लाल रिबन के माध्यम से लटकाना शुभ है। सिसाडा को खुशी और युवावस्था का सिंबल माना जाता है। युवाओं को सलाह है कि वह इसे अपने कार्यस्थल के पास जरूर रखें।

पुराने ग्रंथों के अनुसार पूर्वी चीन में स्थित क्यूआई की रानी मृत्यु के बाद सिसाडा में तब्दील हो गईं थी। इसके बाद से ही सिसाडा को 'द गर्ल क्यूआई' के नाम से जाना जाता है। इसको घर में रखने से स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार कम से कम 7 सेंटीमीटर के आकार के सिसाडा को ही घर में लटकाना चाहिए।

# आर्किटैक्ट बनने के योग

**आर्किटैक्ट** या प्रोपर्टी डीलर बनने के निम्नलिखित योग हैं-

- कुंडली का चतुर्थ भाव, चतुर्थेश एवं कारक ग्रह मंगल चतुर्थ भाव में हो अथवा लग्नेश चतुर्थ भाव में हो या लग्नेश चतुर्थेश एक-दूसरे की राशि में बैठे हों और शुभ ग्रहों से दृष्ट हों तो व्यक्ति कलात्मक भवन निर्माण कला में निपुण होता है।
- यदि जातक की कुंडली में सूर्य व बुध का संबंध पंचमेश अथवा दशमेश से हो तथा सूर्य-बुध पर मंगल की दृष्टि या युती हो तो जातक आर्किटैक्ट बनता है।
- यदि लग्न में कर्क, सिंह, कन्या और वृश्चिक राशि हो, सूर्य चंद्रमा या अन्य लग्न तीनों में से किसी भी लग्न का संबंध इन राशि से हो या फिर लग्न का संबंध सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध और शुक्र होने पर व्यक्ति भवन निर्माण आदि के कार्य से जुड़ सकता है।
- जैमिनी के अनुसार कारकांश लग्न से चतुर्थ स्थान पर शुक्र व चंद्रमा की दृष्टि या युती हो तो जातक अपार्टमैंट व बहुमंजिला भवन के नक्शे बनाने व उन्हें तैयार करने में पारंगत होगा।
- जन्म कुंडली में शनि बली और शुभयुक्त दृष्ट हो तथा मंगल, बुध,शुभ स्थान में शुभ तथा बली हों तो जातक आर्किटैक्ट बन कर आजीविका कमाता है।
- शनि,मंगल, राहु तथा केतु को ज्योतिष में तकनीकी ग्रह माना जाता है। दशम भाव या दशमेश से इनमें से किसी एक या अधिक ग्रह की दृष्टि,युती या भावाधिपत्य संबंध जातक को तकनीकी क्षेत्र से जोड़कर आर्किटैक्ट बनाता है।
- यदि जातक की कुंडली में शुक्र बली हो तो वह कम्प्यूटर के माध्यम से नक्शे तैयार करता है और आर्किटैक्ट होता है।

# हस्त रेखा से जानें कैरियर

**हाथ** की रेखाओं के आधार पर आप अपने कैरियर का चुनाव कर सकते है। हाथ की लकीरों में आपका कैरियर छिपा है। बस आपको अपने हाथ की रेखाओं पर गौर करने की जरूरत है।

**वकील एवं न्यायाधीश:** यदि आपकी तर्जनी अनामिका से लंबी हो, कनिष्ठिका अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर उठी हो, अंगुलियां सुंदर हों, गुरु पर्वत पूर्ण विकसित हो तथा उस पर क्रॉस का चिन्ह हो, यह जातक के वकील बनने का द्योतक है। ऊपर लिखे गुणों के अतिरिक्त यदि व्यक्ति की हथेली में भाग्य रेखा निर्दोष, स्पष्ट हो, सूर्य प्रभावशाली हो और अंगूठा लंबा तथा पीछे की तरह झुका हुआ हो तो व्यक्ति न्यायाधीश होगा।

**अभिनेता-अभिनेत्री:** यदि हाथ की सभी अंगुलियां कोमल तथा ढलवां हों, सूर्य की अंगुली लंबी तथा ऊपर से नोकदार हो और मस्तिष्क एवं भाग्य रेखा पूरी लंबाई लिए हो, तो जातक के अभिनेता या अभिनेत्री होने के योग होते है।

**शिक्षक:** जिसके हाथ में जीवन, भाग्य तथा सूर्य रेखाएं विकसित हों, गुरु पर्वत भी विकसित हो और उस पर क्रॉस का चिन्ह हो तथा अनामिका से तर्जनी लंबी हो तो व्यक्ति शिक्षक होता है।

**डॉक्टर:** जिसकी हथेली में बुध पर्वत पूर्णत: विकसित हो तथा कनिष्ठिका पूरी लंबाई लिए हुए हो और अनामिका के ऊपरी पोर के मध्य तक जाती हो एवं बुध क्षेत्र पर तीन खड़ी रेखाएं हों तो व्यक्ति डॉक्टर होता है।

**अधिकारी:** कनिष्ठिका लंबी हो और उसका अंतिम सिरा अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर हो और सूर्य रेखा अत्यंत उच्च कोटि की हो तो व्यक्ति अधिकारी होता है।

**एकाउंटेट:** ऐसे व्यक्ति का बुध पर्वत विकसित तथा ऊंचा उठा हुआ होता है। उसका सूर्य पर्वत भी उभरा हुआ होता है। उस पर सूर्य रेखा भी स्पष्ट देखी जा सकती है। भाग्य रेखा बिना कहीं से कटे मध्यमा के मूल में स्थित शनि पर्वत पर जा रही हो तो ऐसा व्यक्ति एकाउंटेंट होता है।

**सैनिक:** यदि मंगल क्षेत्र विस्तार लिए हुए हो तथा मंगल पर किसी तारे का चिन्ह हो, भाग्य रेखा विकसित तथा स्पष्ट हो, तो व्यक्ति सैनिक बनता है।

**व्यवसायी:** जो व्यक्ति व्यापार या व्यवसाय करता है उसके हाथ का अंगूठा सीधा तथा पीछे की तरफ किंचित झुका होता है। उसकी मस्तिष्क रेखा सीधी और स्पष्ट होती है एवं बुध पर्वत उभरा हुआ होता है। सफल व्यवसायी के बुध पर्वत पर किसी प्रकार का कोई जाल नहीं होता।

**कलाकार:** यदि किसी व्यक्ति की हथेली पूरी लंबी, अंगुलियां ढलवां हों और उनके सिरे नुकीले हों, तो वह सफल कलाकार होता है।

# मेष राशि

**ज्योतिष** शास्त्र में समस्त सौर मण्डल को एक वृत्त में बांटा गया है। इस वृत्त का मान 360 डिग्री हैं और इसके 12 भाग करने पर एक राशि का मान 30 डिग्री है। राशियां 12 होती हैं। प्रथम राशि मेष का स्वरूप क्या है जानें-

- मेष पुरुष संज्ञक राशि, विचरणशील, अग्नि तत्त्व प्रधान है।
- यह पुष्ट अंगों से युक्त, लाल रंग की आभायुक्त है।
- इसकी पित्त प्रकृति है। यह तीव्र शब्दाकारी और तेज स्वभाव वाली है।
- यह पर्वत पर विचरण करने वाली, क्रूर स्वभाव की, दिन में अधिक बलशाली है।
- यह पूर्व दिशा की स्वामी है।
- इसका शरीर कांतिरहित एवं वर्ण क्षत्रीय है।
- यह स्वल्प सहवासी और कम संतानवाली है।
- इस राशि का स्वामी मंगल है। मंगल की दशा सात वर्ष की होती है। 4, 7, 8 वें भाव पर पूर्ण दृष्टि होती है।
- सूर्य, चंद्रमा, बृहस्पति इसके मित्र है। बुध शत्रु है। इस राशि वाले जातकों के लिए मंगलवार का व्रत करना और मूंगा रत्न धारण करना अनुकूल रहेगा।
- मंगल का बीज मंत्र- 'ऊँ हूं श्रीं भौमाय नम:'।

# दशम भाव में सूर्य

**दशम** भाव का सूर्य ज्ञानी, दूरदर्शी, पराक्रमी बनाता है, किंतु बचपन में जातक को अनेक कष्ट का सामना करना पड़ता है तुला राशि में सूर्य नीच का होता है किंतु प्राय: शमस्थ होकर शुभ फल प्रदाय करता है तथा मान सम्मान, प्रतिष्ठता दिलाकर व्यक्ति को प्रतिष्ठित करता है। वृश्चिक राशि का सूर्य जातक को प्रसिद्ध चिकित्सा अधिवक्ता, गायक कलाकार बनाता है। अशुभ अवस्था में सूर्य राज भंग योग बनाता है।

ग्यारहवें भाव का सूर्य: ग्याहरवें भाव का सूर्य जातक को अथाह धन संपदा का मालिक बनाने के साथ प्रतिष्ठा भी अर्जित करवाता हैं। राज्यपक्ष सत्तासुख से लाभान्वित करवाता है पृथ्वीराशि का सूर्य उच्च राज्यपद दिलवाता है।

बारहवें भाव का सूर्य: बारहवें भाव का सूर्य शुभ नहीं होता है। जातक को प्रतिष्ठा यश की प्राप्ति के स्थान पर अपमान अपयश का सामना करना पड़ता है। यदि सूर्य अन्य पाप ग्रह की दृष्टि में हो तो जातक पर झूठे दोषारोपण लगते हैं तथा धन मान हानि होती है। सूर्य, अग्नि राशि का हो तो जातक क्रूर, क्रोधी होता है। सूर्य शनि भी यूति बारहवें भाव के राजदण्ड के भागी बनाता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## असम में शतक और बंगाल में दोहरा शतक लगाएंगे : हिमंता

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनावी प्रदर्शन पर पूरा भरोसा जताया और दावा किया कि पहले चरण के चुनाव के बाद पार्टी को अच्छी गति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा असम और पश्चिम बंगाल दोनों में बड़ी जीत हासिल करने की राह पर है और पहले चरण के मतदान के बाद जनता का रुझान पार्टी के पक्ष में बदल गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा कि चुनाव का पहला चरण पूरा हो चुका है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि पहले चरण में ही भाजपा ने 110 सीटें जीती हैं। इस बार हम असम में 100 सीटें जीतेंगे। पश्चिम बंगाल में हमें 200 सीटें मिलेंगी। हम असम में शतक और पश्चिम बंगाल में दोहरा शतक बनाएंगे। सरमा ने आगे कहा कि शुरुआती चरण के मतदान के बाद पश्चिम बंगाल का राजनीतिक माहौल भाजपा के पक्ष में काफी बदल गया है।

## पवन खेड़ा मामले में कांग्रेस अब सुप्रीम कोर्ट में लड़ेगी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद शनिवार को कहा कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है और उम्मीद जताई कि ''उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय'' की जीत होगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, पूरी कांग्रेस अपने मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ मजबूती से एकजुट खड़ी है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह याचिका हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में दायर की गई थी।

## के कविता ने अपनी राजनीतिक पार्टी टीआरएस लॉन्च की

**हैदराबाद।** तेलंगाना के हैदराबाद में तेलंगाना जागृति की फाउंडर के. कविता ने अपनी नई पॉलिटिकल पार्टी टीआरएस- तेलंगाना राष्ट्र सेना लॉन्च की। बीआरएस छोड़ने के लगभग सात महीने बाद कविता शनिवार को एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की। कविता ने शनिवार को हैदराबाद के गन पार्क स्थित अमरवीरुला स्तूपम में तेलंगाना को एक अलग राज्य घोषित करने के लिए 1969 के आंदोलन में शहीद हुए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी आज से अलग राह पर चल दी हैं। एक नई क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति शुरू करने की योजना की घोषणा की। कहा कि यह राज्य की आकांक्षाओं और अधूरे एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करेगी। कविता ने कहा कि उन्हें और उनके समर्थकों को बीआरएस से निष्कासित किया गया था और उन्होंने स्वेच्छा से पार्टी नहीं छोड़ी थी। बीआरएस पार्टी का गठन तेलंगाना की क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया था।

## सात सांसदों पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कसा तंज

**चंडीगढ़।** आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों की बगावत पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया पर तंज कसा है। एक्स पर उन्होंने पंजाबी में लिखा-अदरक, लहसुन, जीरा, मेथी पाउडर, लाल मिर्च, काली मिर्च और धनिया - ये 7 चीजें मिलकर सब्जी का स्वाद बेहतरीन बनाते हैं, लेकिन अपने आप में ये सब्जी नहीं बन सकते। मान ने कहा कि सत्ता साजिशों से नहीं बल्कि लोगों के दिलों पर राज करके मिलती है और जो गद्दार थे वे खुद ही चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बेअदबी विरोधी कानून लागू होने के बाद से भारतीय जनता पार्टी लगातार उन्हें और उनकी सरकार को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। मान ने कहा कि धोखा देने वाले सांसदों को पंजाब के लोग जवाब देंगे और भाजपा का राज्य में कोई ठोस आधार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बदले की भावना से काम कर रही है और डराने धमकाने लालच देने और दल-बदल के जरिए आप सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है।

## आप में बड़ी टूट पर संजय राउत का भाजपा पर हमला

**मुंबई।** शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के सांसदों के हालिया दल-बदल को लेकर भाजपा की कड़ी आलोचना की और भाजपा को बकासुरों की पार्टी बताया, जिसकी भूख कभी शांत नहीं होती। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए राउत ने राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के दो अन्य सांसदों की भाजपा में शामिल होने की निंदा की और भाजपा को बेशर्म करार देते हुए उसकी तुलना महाभारत के पौराणिक राक्षस बकासुर से की। संजय राउत ने कहा कि भाजपा की राजनीति सबको पता है। उनकी राजनीति को एक ही शब्द में कहा जा सकता है, बेशर्म। उन्हें जरा भी शर्म नहीं है। क्योंकि राघव चड्ढा जैसे लोग, जो कल तक हमारे मित्र थे, खुलेआम कहते थे कि भाजपा गुंडों, बदमाशों और भ्रष्ट लोगों की पार्टी है। ये सभी लोग थोक में गुंडों और भ्रष्ट लोगों की पार्टी में शामिल हो गए हैं।

### आम आदमी पार्टी में बगावत पर अन्ना हजारे ने कसा तंज

# पार्टी सही होती तो राघव चड्ढा नहीं छोड़ते

**मुंबई।** सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शनिवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की आलोचना करते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए इस तरह की राजनीतिक दल-बदल करना गलत है और संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित निर्णयों से बचना चाहिए, साथ ही लोकतांत्रिक नैतिकता को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में मीडिया से बात करते हुए हजारे ने कहा कि एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होना सही नहीं है, अपने स्वार्थ के लिए राजनीतिक दल बदलना उचित नहीं है। हमारे संविधान में इसका कोई उल्लेख नहीं है। हमारा संविधान सर्वोपरि है। हमारा देश संविधान के आधार पर चलता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि अगर पार्टी सही रास्ते पर चल रही होती, तो राघव चड्ढा समेत अन्य राज्यसभा सदस्य उसे नहीं छोड़ते.

हजारे ने 2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के माध्यम से आम आदमी पार्टी (आप) के गठन में एक प्रमुख नेता और वैचारिक मार्गदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, हालांकि पार्टी के मुख्यधारा की राजनीति में आने के बाद उन्होंने अरविंद केजरीवाल से दूरी बना ली थी। उनकी यह टिप्पणी इस सप्ताह के राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आई है, जब सांसदों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने शुक्रवार को आप से अलग होने की घोषणा की और बाद में पार्टी प्रमुख नितिन नबीन की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए, जिन्होंने इस निर्णय का स्वागत किया। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, चड्ढा ने घोषणा की कि उन्होंने और आम आदमी पार्टी के छह अन्य राज्यसभा सांसदों ने संसदीय नियमों के अनुसार सदन के अध्यक्ष को पार्टी छोड़ने की सूचना दे दी है। उन्होंने पुष्टि की कि आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई सदस्य भाजपा में विलय करेंगे।

इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) ने जवाब में एक नई रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने गुजरात नगर निगम चुनाव प्रचार से लौटने के बाद शुक्रवार रात को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं ने आधे घंटे से अधिक चली बैठक में विभाजन के संभावित प्रभाव और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की।

## दिल्ली के रहमान डकैत हैं केजरीवाल : परवेश वर्मा

**नईदिल्ली।** दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर %बंगले% को लेकर घमासान छिड़ गया है। भाजपा के फायरब्रांड नेता और पूर्व सांसद परवेश वर्मा ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर अब तक का सबसे निजी और तीखा हमला किया। वर्मा ने केजरीवाल को दिल्ली का रहमान डकैत करार देते हुए दावा किया कि उन्होंने पहले शीश महल के बाद अब दूसरा शीश महल तैयार कर लिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, वर्मा ने कहा कि भाजपा 'शीश महल 2' दिखाएगी और केजरीवाल पर सादगी के अपने पहले के दावों के उलट लग्ज़री लाइफ जीने का आरोप लगाया। वर्मा ने कहा, दिल्ली का रहमान डकैत दिल्ली का शीश महल 2 हम आपको दिखाने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में वोटर्स से हारने के बाद, केजरीवाल ने अपना फोकस पंजाब पर कर लिया। उन्होंने कहा, दिल्ली के वोटरों ने इस 'रहमान डकैत' को हारा दिया, तो वो पंजाब चले गए। भगवंत मान परेशान हैं।

वर्मा ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के घर के आस-पास कई सरकारी घरों पर आप नेताओं ने कब्ज़ा कर रखा है, जिसमें केजरीवाल, दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शामिल हैं। दिल्ली की बात करते हुए, वर्मा ने केजरीवाल के हाल ही में 95 लोधी एस्टेट में एक सरकारी बंगले में जाने का ज़िक्र किया। वर्मा ने कहा, कल वो 95 लोधी एस्टेट में शिफ्ट हुए हैं जो बोलते थे आम आदमी की तरह रहूंगा।

उन्होंने कहा, जब मैं पहले वाले 'शीश महल' में गया था, तो मुझे हैरानी हुई कि कोई इतने शानदार घर में कैसे सो सकता है, कैसे नींद आती होगी? उन्होंने कुछ तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि ये तस्वीरें केजरीवाल के नए घर की हैं। वर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल ने पहले कहा था कि वह सरकारी घर नहीं लेंगे, लेकिन बाद में उन्होंने एक बंगला ले लिया और उसे अपग्रेड करके भाजपा के बताए शीश महल में बदल दिया।

# ना राघव ना स्वाति, संदीप पाठक का जाना आप के लिए सबसे बड़ा झटका

### केजरीवाल का चाणक्य माना जाता था, यानी आम आदमी पार्टी का अमित शाह

**नईदिल्ली।** जब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों में से दो-तिहाई ने भाजपा में विलय की घोषणा की, तो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को कोई बड़ा झटका नहीं लगा। दरअसल, वे इस तरह के बदलाव के लिए पहले से ही तैयार थे। लेकिन सूची में एक नाम सबसे अलग था - संदीप पाठक। संदीप पाठक का भाजपा में जाना राघव चड्ढा की तुलना में आप के लिए बड़ा झटका है। राघव चड्ढा के भाजपा में शामिल होने से पार्टी की सार्वजनिक छवि पर असर पड़ता है, वहीं संदीप पाठक के आप छोड़ने को पार्टी के संगठन पर एक गहरा झटका माना जा रहा है।

संदीप पाठक कोई जाना-माना राजनीतिक चेहरा नहीं थे। इसके बजाय, उन्होंने पर्दे के पीछे रहकर ही अपना काम किया। पार्टी के अंदरूनी सूत्र उन्हें एक शांत रणनीतिकार बताते हैं, जिन्होंने पंजाब में आप की रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें व्यापक रूप से पार्टी के डेटा-आधारित जमीनी अभियान को आकार देने का श्रेय दिया जाता है, जिसके कारण 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में पार्टी को जीत मिली। सर्वेक्षणों, योजना और बूथ स्तर पर क्रियान्वयन पर उनके फोकस ने आप को राज्य में एक मजबूत आधार स्थापित करने में मदद की, जो आज भी उसके सबसे महत्वपूर्ण गढ़ों में से एक है।

इसी कारण, उनके जाने से न केवल नेतृत्व की संख्या कमजोर हुई है, बल्कि पार्टी की रणनीतिक नींव भी कमजोर हुई है। पाठक लंबे समय से आम आदमी पार्टी की ओर से भाजपा के मुखर आलोचकों में से एक रहे हैं। पर्दे के पीछे रहकर काम करने वाले एक कुशल रणनीतिकार के रूप में जाने जाने वाले पाठक ने 2022 से एक सख्त संगठनात्मक

रणनीतिकार के रूप में अपनी पहचान बनाई। लगभग पूरी तरह से राजनीतिक नियोजन पर केंद्रित, उन्हें क्रियान्वयन में निपुण और आंकड़ों, सर्वेक्षणों और परिणामों से प्रेरित व्यक्ति के रूप में देखा जाता था।

कई मायनों में, उन्हें अरविंद केजरीवाल का चाणक्य माना जाता था, यानी आम आदमी पार्टी का अमित शाह। 2025 की शुरुआत तक, पार्टी के भीतर पाठक का दबदबा बना रहा। आबकारी नीति मामले के कारण आम आदमी पार्टी प्रमुख की अनुपस्थिति में, उन्होंने संगठनात्मक निर्णयों को निर्देशित करने से लेकर कांग्रेस के साथ कठिन बातचीत करने तक, विशेष रूप से हरियाणा में, कई जिम्मेदारियां संभालीं। हालांकि, 2025 एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। केजरीवाल और पार्टी की केंद्रीय रणनीति से उनकी दूरी बढ़ गई - यह एक ऐसा झटका था जिससे वे कभी पूरी तरह उबर नहीं पाए।

पार्टी में उनका सफर 2016 में शुरू हुआ। उन्होंने आशीष खेतान के साथ दिल्ली संवाद आयोग में काम किया और बाद में पंजाब और गुजरात में चुनावी सर्वेक्षणों पर अपने काम के जरिए अरविंद केजरीवाल का विश्वास हासिल किया। नेतृत्व से उनकी निकटता स्पष्ट थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सुनीता केजरीवाल और बिभव कुमार के साथ, उन्हें भी जेल में केजरीवाल से मिलने की अनुमति दी गई थी।

कुछ अन्य नेताओं के विपरीत, पाठक के पार्टी छोड़ने की व्यापक रूप से उम्मीद नहीं थी। पार्टी नेताओं ने कहा कि राघव चड्ढा और नेतृत्व के बीच मतभेद काफी समय से दिखाई दे रहे थे। इसी तरह, स्वाति मालीवाल का भी नेतृत्व से मतभेद हो गया था। इसके विपरीत, पाठक पार्टी के मुख्य कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। उनका अचानक पार्टी छोड़ना आश्चर्यजनक था और इससे आंतरिक रूप से गहरी चिंता पैदा हुई। एक पार्टी पदाधिकारी ने उन्हें अलग बताया और कहा कि वे कम से कम 2018 से आप के मुख्य समूह का हिस्सा थे और सिर्फ एक सांसद नहीं थे।

### संगठन के लिए भी चुनौती

पंजाब इस पूरे घटनाक्रम का केंद्र बना हुआ है। नेताओं में असंतोष बढ़ने या टूट की स्थिति में सरकार की स्थिरता पर भी सवाल उठ सकते हैं। संगठनात्मक स्तर पर भी स्थिति चुनौतीपूर्ण है। संदीप पाठक के जाने से चुनावी मैनेजमेंट और बूथ स्तर के नेटवर्क पर असर पड़ सकता है। वहीं राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के जाने से शहरी और युवा वर्ग में भी संदेश गया है। इसे नजरअंदाज करना पार्टी के लिए आसान नहीं होगा। विधायकों को एकजुट रखना, कार्यकर्ताओं का भरोसा कायम रखना और जनता के बीच अपनी छवि को मजबूत करना आप के लिए चुनौती है। पार्टी के भीतर असंतोष पहले से मौजूद था। कई नेताओं पर कार्रवाई और कुछ के जेल जाने से संगठन पहले ही दबाव में था। आने वाले समय में यह साफ होगा कि यह घटनाक्रम एक सीमित राजनीतिक झटका है या बड़े बदलाव की शुरुआत।

खेल
प्रमुख समाचार

## अल्काराज कलाई की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

**नईदिल्ली।** विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं। अल्काराज़ ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी।

स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब सोमवार को मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

अल्काराज़ ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।''

अल्काराज़ ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है। उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

**नईदिल्ली।** होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का असर भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दिखने लगा है। शनिवार को क्रूड का भाव एक बार फिर 105 डॉलर के पार चला गया, जिसका असर सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखा। आज कई शहरों में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। नोएडा में पेट्रोल 2 पैसे महंगा होकर 94.90 रुपए और तो डीजल 3 पैसे चढ़कर 88.01 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 52 पैसे महंगा हुआ है ये 95.65 रुपए और तो डीजल 50 पैसे बढ़त के साथ 88.10 रुपए लीटर के भाव पहुंच गया है। पटना में भी कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जहां पेट्रोल 11 पैसे महंगा होकर 105.59 रुपए और डीजल 10 पैसे बढ़त के साथ 91.82 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया।

## आरबीआई ने बंधन बैंक पर ठोका 41.8 लाख रु. का जुर्माना

**नईदिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों के उल्लंघन पर सख्त रुख अपनाते हुए बंधन बैंक पर 41.8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई केवाईसी नियमों और जोखिम मूल्यांकन से जुड़े दिशानिर्देशों का सही तरीके से पालन न करने के कारण की गई। आरबीआई के अनुसार, बैंक कुछ खातों की जोखिम श्रेणी की समय-समय पर समीक्षा नहीं कर पाया और निदेशक से जुड़े लोन को भी मंजूरी दी गई। केंद्रीय बैंक ने साफ किया कि यह जुर्माना केवल नियामकीय और वैधानिक अनुपालन में कमी के आधार पर लगाया गया है। इसका बैंक और ग्राहकों के बीच किसी लेनदेन या समझौते की वैधता से कोई संबंध नहीं है। इसी क्रम में, आरबीआई ने मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर भी 80,000 रुपए का जुर्माना लगाया है।

## एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी में देरी से ग्राहक परेशान

**नईदिल्ली।** देशभर में एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी को लेकर परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार की कोशिशों के बावजूद यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों में उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है। सोशल मीडिया पर भी लोग देरी और कमी को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। सरकार ने सिलेंडर बुकिंग के लिए शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय सीमा तय की है लेकिन गैस कंपनियां अगली बुकिंग की तारीख सप्लाई की तारीख से जोड़ रही हैं। इससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त 7-10 दिन का इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया और धीमी हो गई है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों—रायबरेली, बस्ती, कानपुर और प्रयागराज—में सिलेंडर की किल्लत और डिलीवरी में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। शादी के सीजन के चलते कॉमर्शियल सिलेंडर की मांग बढ़ गई है।

## आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द किया

**नईदिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को जारी किया गया बैंकिंग लाइसेंस शनिवार को रद्द कर दिया है। नियामक का तर्क था कि पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा और वन97 कम्युनिकेशंस के स्वामित्व वाली इस इकाई का आचरण जमाकर्ताओं के हितों के लिए हानिकारक था। यह कार्रवाई बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 22(4) के तहत की गई है, जो 24 अप्रैल, 2026 को कारोबार बंद होने के समय से प्रभावी होगी। इसके परिणामस्वरूप पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पेटीएम पीबी) को कानून के तहत 'बैंकिंग' का कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। आरबीआई पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने के संबंध में उच्च न्यायालय के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत करेगा।

# विकास पर केंद्रित है रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति

**प्रो अश्विनी महाजन**

अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में रिजर्व बैंक द्वारा घोषित मौद्रिक नीति में रेपो रेट और अन्य नीतिगत ब्याज दरों को समान और अपने रुख को तटस्थ रखते हुए, केंद्रीय बैंक ने संदेश दिया है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं, अंतरराष्ट्रीय मार्ग अवरुद्ध होने और विश्व में उथल-पुथल के बावजूद भारत के नीति निर्माता देश के बुनियादी बातों के बारे में तो आश्वस्त हैं ही, देश में विकास के वातावरण को बनाये रखने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

हालांकि, मौद्रिक नीति घोषणा से पूर्व यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि 2025 के दौरान रेपो रेट में लगातार कमी का जो मार्ग अपनाया गया था, उसमें अवरोध आ सकता है और मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं के चलते रेपो रेट में वृद्धि हो सकती है अथवा कम से कम मौद्रिक नीति रुख को डाउनग्रेड कर उसे तटस्थ से उदार किया जा सकता है। पर उन आशंकाओं को निर्मूल सिद्ध करते हुए रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था का जो खाका देश के समक्ष प्रस्तुत किया है, वह बताता है कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और उसके विकास के मार्ग को प्रशस्त रखते हुए रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर ही रखना एक उचित नीति है।

गौरतलब है कि मौद्रिक नीति में रेपो रेट को कम रखते हुए देश में निवेश, चिरस्थायी वस्तुओं और घरों की मांग को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है, जिससे विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। लेकिन रेपो रेट को घटाने की पहली शर्त यह होती है कि देश में मुद्रास्फीति कम हो। यदि मुद्रास्फीति अधिक हो अथवा भविष्य में मुद्रास्फीति की अपेक्षाएं ज्यादा हों, तो रेपो रेट को घटाने से

मुद्रास्फीति और बढ़ सकती है। इसलिए केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अधिक होने की स्थिति में रेपो रेट घटाने का जोखिम नहीं ले सकता। मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान है कि यह 2026-27 में 4.5 से 4.6 प्रतिशत रह सकती है।

हालांकि, यह 2025-26 की मुद्रास्फीति 2.1 प्रतिशत से काफी अधिक है, फिर भी इसके मौद्रिक नीति समिति के लिए निर्धारित लक्ष्य दो से छह प्रतिशत के बीच ही रहने का अनुमान है। मौद्रिक नीति बनाते हुए इस बात का ध्यान रखना होगा कि यह मुद्रास्फीति की सीमा चार प्रतिशत, जमा-घटा दो प्रतिशत के बीच ही रहे। ऐसे में, जैसे ही इस सीमा के उल्लंघन होने का खतरा हो, रेपो रेट को बढ़ाना और मुद्रा के संकुचन के अन्य उपाय अपनाना आवश्यक हो जाता है। रिजर्व बैंक ने 2026-27 में विकास संभावनाओं को 6.2 प्रतिशत पर रखा है। गौरतलब है कि 2025-26 में जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। समझना होगा कि तरलता को आदर्श स्तर पर रखना भी उतना ही जरूरी है, जितना रेपो रेट को नीचे रखना, ताकि अल्पकाल में ब्याज दरें, रेपो रेट के आसपास बनी रहें। तरलता का प्रबंधन करने के लिए रिजर्व बैंक खुले बाजार की क्रियाओं, परिवर्तनशील रेपो रेट और परिवर्तनशील रिवर्स रेपो रेट जैसे उपायों की मदद लेता है। इन उपायों के माध्यम से रिजर्व बैंक सुनिश्चित करता है कि उपयुक्त तरलता (न कम न अधिक) बनी रहे, ताकि कॉल दर, खासतौर पर भारित औसत कॉल दर भी रेपो रेट से 0.10 से 0.15 से ज्यादा न होने पाये।

कॉल दर, वह ब्याज दर होती है, जिस पर बैंक अन्य बैंकों से अल्पकाल में उधार लेता है। रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति के माध्यम से विभिन्न प्रकार के लक्ष्य और उद्देश्यों को साधने का प्रयास करता है। उपयुक्त नीतिगत उपायों से भारतीय बैंक गैर निष्पादित परिसंपत्तियों की समस्या से लगभग निजात पा चुके हैं। मौद्रिक नीति के माध्यम से एक ओर महंगाई पर काबू पाया जा रहा है, तो दूसरी ओर वृद्धि भी बेहतर हो रही है। डिजिटलीकरण बैंकों की लागतों को कम कर रहा है। ऐसे में विकसित राष्ट्र के लक्ष्य की ओर ले जाने में रिजर्व बैंक की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की पूर्ति के लिए बैंकों को उधार का उपयुक्त प्रवाह भी सुनिश्चित करना होगा और उस उधार की अदायगी भी होती रहे, ऋणों को देय क्षमता की कसौटी पर कसना भी होगा। अप्रैल माह की मौद्रिक नीति विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोगी होगी, ऐसी आशा की जा सकती है।

# बैज नारी शक्ति के भावनात्मक पहलुओं से दूर हैं : कश्यप

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयानों पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि नारी वन्दन अधिनियम का लोकसभा में कांग्रेस यदि समर्थन करती तो आज परिस्थितियाँ कुछ और होतीं, लेकिन कांग्रेस ने इस बिल का विरोध करके मातृ शक्ति की भावनाओं को ठेस पहुँचाई है और अब जले पर नमक छिड़कने का काम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज कर रहे हैं।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि जिस तरह से विशेष सत्र को लेकर बैज का बयान आया है, वह बेहद ही निंदनीय है। हम विधानसभा में मातृ भावनाओं के मुताबिक मुद्दे पर चर्चा कर मातृ शक्ति की हितों की रक्षा को लेकर संकल्प लेंगे। श्री कश्यप ने कहा कि हमारा दृढ़ संकल्प है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ नारी शक्ति वन्दन अधिनियम एक दिन जरूर लोकसभा में पारित होगा। इसकी चिंता बैज को नहीं करनी चाहिए। उनके लिए तो मातृ वन्दन का मतलब ही कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की नेत्रियाँ सोनिया गांधी व प्रियंका वाड्रा है। इसके अलावा देश की मातृ शक्ति से कांग्रेसियों का कोई जुड़ाव नहीं है। यदि होता तो कांग्रेस जरूर इस बिल का समर्थन करती।

# सीएम साय ने हज यात्रियों को सौंपा फर्स्ट एड किट, यात्रा के लिए दी शुभकामनाएं

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा आज राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हज यात्रियों को फर्स्टएड किट सौंपकर उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि रायगढ़ से सांसद रहने के समय से लेकर आज तक लगातार हज यात्रियों के स्वागत का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश से कुल 815 हज यात्री यात्रा पर जा रहे हैं और पहली बार स्वास्थ्य विभाग द्वारा यात्रियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया तथा मेडिकल किट भी उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने यात्रियों से देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करने का आग्रह करते हुए उनकी यात्रा की सफलता की कामना की। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के हज यात्रियों को यह पावन अवसर प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए दुआ करें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब हज यात्रा के लिए लंबी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती और अधिक लोगों को यह अवसर मिल रहा है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संभव हुआ है। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग ने भी संबोधित किया और हज यात्रा से जुड़ी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कांवड़िया एवं वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज और छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी की सीईओ डॉ. खुशबू उस्मान समेत समाज के प्रबुद्धजन और प्रदेश भर से आए हज यात्री मौजूद थे।

## भाजपा में केजरीवाल भी जा सकते हैः भूपेश

**रायपुर।** राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन कर ली है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आप के नेता अपनी ओरिजनल पार्टी में वापस जा रहे हैं। अब सबकी नजर इस बात पर है कि अरविंद केजरीवाल कब भाजपा का रुख करते हैं। भूपेश बघेल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आम आदमी पार्टी की शुरुआत ऐसे लोगों के साथ हुई थी, जिनका झुकाव पहले से ही एक खास विचारधारा की ओर रहा है। उन्होंने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल उन लोगों के साथ जुड़े रहे हैं, जो विवेकानंद फाउंडेशन जैसे संस्थानों से जुड़े थे, जहां बाबा रामदेव सहित कई अन्य लोग भी सक्रिय रहे हैं। उसी प्लेटफॉर्म से एक आंदोलन की शुरुआत हुई थी, जिससे आगे चलकर आप का गठन हुआ।

# खेलों में समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ तैयारः अरुण साव

**रायपुर।** राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों का दो दिवसीय चिंतन शिविर आज श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में प्रारंभ हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण आयोजन में केंद्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की ओर से उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार इस चिंतन शिविर में भागीदारी कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ खेलों के क्षेत्र में समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ पूरे देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगा।

श्री साव ने बताया कि आज शिविर के पहले दिन केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के साथ देश में खेलों को नई दिशा देने पर मंथन किया गया। यह पहल न केवल नीतियों को मजबूत करेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को आगे लाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप 2047 तक भारत को खेल महाशक्ति बनाने केंद्र सरकार और राज्य सरकारें एकजुट होकर कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ के हर गांव और हर शहर से नए खिलाड़ी उभरें और देश-विदेश के खेल मंचों पर अपना परचम लहराएं, यह हमारा लक्ष्य है।

26 अप्रैल तक चलने वाला यह शिविर देश में खेलों के समग्र विकास, नीति सुधार, वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लक्ष्य को हासिल करने और भारत को खेल शक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा लगातार दूसरे वर्ष इस चिंतन शिविर का आयोजन किया गया है।चिंतन शिविर के पहले दिन के प्रमुख सत्रों में 'मेडल स्ट्रेटजी ङ्क खेलो इंडिया' पर गहन मंथन किया गया। विभिन्न राज्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर खेल प्रशिक्षकों के पोटेंशियल को विकसित करने पर सर्वसम्मति बनी। साथ ही वर्ष 2048 तक भारत को ओलंपिक पदक तालिका में शीर्ष 5 देशों में शामिल करने के रोडमैप पर व्यापक चर्चा हुई। इसमें स्पोर्ट्स साइंस के विस्तार एवं उसके प्रभावी उपयोग को खेल विकास का महत्वपूर्ण आधार माना गया। खेल मंत्रालय द्वारा इस पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

## भीषण गर्मी में राशन वितरण व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

**रायपुर।** प्रदेश में 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहे तापमान के बीच राशन वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों ने आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कहा है कि राशन दुकानों के संचालन समय में शिथिलता रखते हुए सुबह एवं शाम के समय वितरण को प्राथमिकता दिया जाए , ताकि उपभोक्ताओं को तेज धूप में परेशानी न हो। साथ ही दुकानों में पेयजल, छाया एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए हैं । खाद्य विभाग द्वारा यह भी जानकारी दी गई है कि राशन वितरण पूरी तरह सुचारू रूप से जारी है और किसी प्रकार की बाधा नहीं है। कुछ स्थानों पर आई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि वे मैदानी स्तर पर सतत निगरानी बनाए रखें तथा हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।राज्य सरकार ने आम जनता से अपील की है कि वे भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें।

# सात सांसदों ने जनता और लोकतंत्र के साथ विश्वासघात किया हैः जायसवाल

**रायपुर।** आम आदमी पार्टी (आप) छत्तीसगढ़ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने कहा कि आप पार्टी आज सत्ता के ज्यादतियों के समक्ष मजबूती से खड़ी है, जनता के मुद्दों पर निर्णायक संघर्ष कर रही है और देश में ईमानदार राजनीति का मजबूत विकल्प बन चुकी है, ऐसे समय में कुछ नेताओं का भाजपा में जाना उनकी सत्ता लोलुपता को उजागर करता है। यह भाजपा द्वारा रचे गए व्यापक राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है, जिसके माध्यम से जनता और लोकतंत्र के साथ मजाक और विश्वासघात किया गया है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आम आदमी पार्टी ने पहचान, मान,सम्मान और नेतृत्व का अवसर दिया, वे संघर्ष के समय पार्टी और जनता के साथ निर्भिकता के खड़े होने के बजाय सत्ता की शरण में चले गए। जिस हिसाब से सांसदों ने पलायन किया है उससे जाहिर होता है कि उन्होंने जनता के विश्वास और लोकतंत्र की गरिमा का मजाक बना दिया है। जनता सब देख रही है और आने वाला समय आम आदमी पार्टी का ही है। जनता वह यह भी देख रही है कि कौन जनता के साथ खड़ा है और कौन जनहित के कठिन संघर्ष के समय भाग खड़ा हुआ।

छत्तीसगढ़ में पार्टी के शीर्ष नेता ने कहा कि आप पार्टी पूरी मजबूती से सत्ता समर्थित अन्याय, अहंकार और दमन के खिलाफ खड़ी है। और इन जनाधार विहीन लोगों के जाने से पार्टी को किसी प्रकार का कोई नुकसान नही होगा उल्टा कार्यकर्ताओ में गजब का उत्साह है इसलिए की ये कैडर के लोगो का सम्मान नही अपमान करते थे

उत्तम जायसवाल ने कहा कि इस घटनाक्रम से प्रमाणित हो गया कि भाजपा अब विचार और जनसमर्थन से नहीं, बल्कि डर, दबाव, प्रलोभन और तोड़फोड़ की राजनीति से आगे बढ़ना चाहती है। जो लोग चले गए उन्हें पहले पार्टी के राज्यसभा के पद से स्तीफा देना चाहिए चुकी उन्हें राज्यसभा सांसद तो पार्टी ने बनाया था वे कुर्सी के साथ जा सकते हैं, लेकिन जनता का विश्वास अपने साथ नहीं ले जा सकते। आज देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। देशभर में सत्ता के विरुद्ध जन आंदोलन बढ़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी लाखों कार्यकर्ताओं के पसीने, करोड़ों लोगों के भरोसे और ईमानदार राजनीतिक सोच का परिणाम है। आप पार्टी जनता के विश्वास की ताकत पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी लगातार विस्तार कर रही है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

## विपक्ष की निंदा के लिए विशेष सत्र धन की बर्बादीः बैज

**रायपुर।** सिर्फ विपक्ष की निंदा के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना जनता के धन की बर्बादी है, यह भाजपा के अलोकतांत्रिक चरित्र को भी दर्शाता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा के एक दिन के सत्र पर लाखों रू. खर्च होगा तथा सैकड़ों मानव कार्यदिवस की बर्बादी होगी। इस सत्र को बुलाने के लिए सरकार के पास कोई ठोस कारण भी नहीं है, सरकार के पास कोई महत्वपूर्ण विधेयक भी नहीं है और न ही कोई ऐसा राज्य के हित का विषय है जिस पर चर्चा कराने के लिए विधानसभा के विशेष सत्र को आहूत करने की जरूरत थी। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि हम विपक्ष कांग्रेस की निंदा करने विधानसभा का विशेष सत्र बुलायेंगे। मतलब विपक्ष की निंदा के अलावा मुख्यमंत्री के पास इस सत्र को बुलाने का कोई और कारण नहीं था। विशेष सत्र बुलाना है तो अपनी नाकामियों पर चर्चा कर ले, मोदी की गारंटी फेल होने पर चर्चा कर ले। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जिस विषय पर सरकार विपक्ष की निंदा करना चाहता है उस पर संसद में तीन दिनों तक चर्चा हो चुकी है। संसद ने उस विषय पर चर्चा के बाद मतदान में खारिज भी कर दिया है। जो विधेयक संसद की संपत्ति है ।

## ईडी ने सरकार की विफलता को उजागर किया : शुक्ला

**रायपुर।** विदेशी धन के मामले पर ईडी की कार्यवाही डबल इंजन की सरकार की विफलता को उजागर करता है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ईडी ने विदेशी धन के भारत में ट्रांसफर को लेकर दावा किया है कि पिछले दो सालों में 2025 और 2026 के दौरान भारत में विदेश से 95 करोड़ रू. आये है इसमें से 6 करोड़ रू. छत्तीसगढ़ में निकाले गये है। विदेश से आये धन का पूरा यह मामला मोदी और साय सरकार के दौरान हुआ है। पिछले दो सालों से विदेश से धन भारत आ रहा था और उसका उपयोग विभिन्न गैर कानूनी गतिविधियों में हो रहा था तो केंद्र और राज्य की सरकारें दो सालों में क्या कर रही थी? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा इस फंडिंग को धर्मांतरण से जोड़ रही है। लेकिन इस फंडिंग का उपयोग यदि नक्सली और आतंकी गतिविधियों में नहीं हुआ होगा, इसकी क्या गारंटी है? भाजपा इससे इंकार करती है क्या? 6 करोड़ रू. छत्तीसगढ़ में निकाले गये है तो शेष 89 करोड़ रू. कहां पर खर्च किये गये इसको भी स्पष्ट किया जाना चाहिए? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने मांग किया कि इस बात की जांच होनी चाहिए यह फंड किस संस्था के लिए आया।

## पर्याप्त स्टॉक है फिर सरगुजा संभाग में संकट क्योंः ठाकुर

**रायपुर।** सरगुजा पेट्रोलियम एसोसिएशन द्वारा पेट्रोल, डीजल संकट दूर करने कलेक्टर को लिखे मांग पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार दावा कर रही है कि 22 दिन का पेट्रोल एवं 15 दिन का डीजल स्टॉक में है, किसी प्रकार की कोई संकट की स्थिति नहीं है। वहीं सरगुजा पेट्रोलियम एसोसिएशन कलेक्टर को पत्र लिखकर पर्याप्त आपूर्ति की मांग कर रहे। सरकार और पेट्रोलियम एसोसिएशन किसके दावे पर जनता भरोसा करें? यदि पेट्रोलियम की कमी नहीं है फिर सरगुजा संभाग में पेट्रोल, डीजल संकट क्यों है? सरगुजा संभाग के कई पेट्रोल पंप ड्राई क्यों हो गये है? डीजल नहीं मिलने के कारण किसानों का कृषि कार्य बंद हो गया एवं ट्रांसपोर्टरों की गाड़ियां खड़ी हो गई। इससे गम्भीर रोजगार संकट खड़ा हो गया। कोयला ढुलाई प्रभावित हो रही जिससे बिजली संकट एवं उद्योगों में तालाबंदी की स्थिति निर्मित हो रही है। पेट्रोलियम एसोसिएशन कह रही है कि आईओसी, बीपीसीएल, एचपीसीएल, पेट्रोल, डीजल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर रही है जिसके चलते संकट उत्पन्न हुआ। जब स्टॉक पर्याप्त का दावा किया जा रहा फिर पेट्रोल, डीजल सप्लाई ठीक से क्यों नहीं की जा रही है? जनता को परेशान क्यों किया जा रहा है।

## रेत कारोबार खूनी हो चुका है सरकार संरक्षण दे रही हैः वंदना

**रायपुर।** प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था तथा घरो में घुस कर गोली मारे जाने की घटना पर कांग्रेस ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भिलाई में सरेआम आरक्षक पति पत्नि की हत्या कर दी गयी। छात्रा को अपराधी उठा लेने सामूहिक दुराचार की धमकी दे रहे, महिलाएं सुरक्षित नहीं है। सरकार कर क्या रही है? बेहद शर्मनाक है सरकार और पुलिस की लापरवाही पर सचेत करने के बजाय भाजपाई सरकार का बेशर्मीपूर्वक बचाव करते नजर आते है। राज्य में रेत का कारोबार तो खूनी रूप ले चुका है, रते के लिये गैंगवार हो रहा है। सरकार इसको संरक्षण दे रही है। अब आदमी अपने घर में भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेखौफ और बेलगाम हो चुके कि उनमें कानून का जरा भी भय नहीं बचा है। जांजगीर की घटना के पहले प्रदेश में गैंगवार की अनेकों घटनाएं पिछले ढाई साल में हुई है। राजधानी में पांच बार गोलियां चलाई गई, रायपुर सेंट्रल जेल के सामने गोलियां चलाई गई, झारखंड के गैंगस्टर रायपुर में गोलीबारी कर चुके है, बिलासपुर के मस्तूरी में व्यवसायी के ऊपर गोलियां चलाई गयी। अब तो घर में घुस कर गोली मारी जा रही है। प्रदेश में ढाई साल के भीतर 7400 बलात्कार की घटनाएं हुई है।

## खाद की लिमिट घटने से किसानों को होगी किल्लत : वर्मा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों (सोसाइटियों) के माध्यम से किसानों को मिलने वाले उर्वरकों (खाद) की लिमिट का रेशियो 40 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत करने के सरकार के फैसले को किसान विरोधी निर्णय बताते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि किसानों को आगामी खरीफ सीजन के लिए खाद उपलब्ध कराने में अपनी नाकामी को छुपाने के लिए भाजपा सरकार ने सोसायटियों से नकदी और खाद के ऋण का रेसियो ही बदल दिया है, अब नई व्यवस्था के अनुसार, कृषि ऋण में अब 70 प्रतिशत नकद राशि और केवल 30 प्रतिशत वस्तु के रूप में दी जा रही है। पूर्व में, किसानों को ऋण का 60 प्रतिशत नगदी और 40 प्रतिशत खाद, बीज के रूप में मिलते थे। हाल ही में केंद्र की मोदी सरकार ने एन पी के की कीमत 180 रुपए प्रति बोरी और पोटास की कीमतों में 300 रुपए प्रति बोरी भारी भरकम वृद्धि की है अब खाद की लिमिट का कम होना किसानों के लिए एक गंभीर संकट है। सहकारी समितियों में खाद की कमी, मूल्य वृद्धि और वितरण के तरीके में बदलाव से किसान परेशान हैं। सहकारी समितियों में डीएपी और यूरिया की भारी कमी के कारण किसान पहले से ही परेशान हैं।

सुशासन की नई मिसाल — ग्रामीणों के लिए खुले विकास के द्वार

# सबसे सुदूर लंका गांव तक पहुंचा प्रशासन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में नारायणपुर जिला में विकास और सुशासन की एक नई इबारत लिखी जा रही है। जिले के ओरछा विकासखंड के सुदूर और दुर्गम छोर पर स्थित लंका गांव में दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर प्रशासन ने यह सिद्ध कर दिया कि विकास की किरणें अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।

जिला मुख्यालय से लगभग 130 किलोमीटर दूर और इन्द्रावती नदी के किनारे बसा लंका गांव, जो कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था, वहां आजादी के बाद पहली बार जिला स्तरीय प्रशासनिक शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की टीम ने नदी-नालों और पहाड़ों के कठिन रास्तों को पार कर ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को न केवल सुना, बल्कि मौके पर ही उनका समाधान भी किया।

### ग्रामीणों के लिए वरदान

इस शिविर में सबसे बड़ा आकर्षण %सुशासन एक्सप्रेस% रही। वाई-फाई युक्त इस मोबाइल सेवा वाहन ने ग्रामीणों की तकनीकी बाधाओं को दूर कर दिया। इस वाहन के माध्यम से

तत्काल आधार कार्ड, जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र सहित 27 प्रकार के आवश्यक दस्तावेज मौके पर ही तैयार किए गए। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने की मजबूरी से मुक्ति मिली। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 17,520 आवेदनों का त्वरित निस्तारण कर रिकॉर्ड बनाया गया है।

### शिविर में आवेदनों की झड़ी

दो दिवसीय शिविर में लंका सहित आसपास के पांच गांवों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कुल 310 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 242 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। इस शिविर में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 179, मनरेगा जॉब कार्ड के 34, राशन कार्ड के 25 और स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 18 आवेदन प्रमुख रहे।

शिविर मेंकलेक्टर नम्रता जैन ने कहा, नियद नेल्लानार योजना के तहत आयोजित ये शिविर अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शासन की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। इससे न केवल ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है, बल्कि विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का उनका सपना भी साकार हो रहा है। आगामी 29 और 30 अप्रैल को शिविर का आयोजन आदनार में किया जाएगा। जिसमें मलमेटा, कोंजे और बोडुम के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। सुशासन का यह कारवां निरंतर जारी रहेगा।

# सेवा, समरसता और मानवता ही विकास का सच्चा मार्ग : मंत्री अग्रवाल

**रायपुर।** प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज अम्बिकापुर स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेश एवं देश की प्रगति, उन्नति तथा लोककल्याण के लिए अरदास की। इस अवसर पर उन्होंने समाज में आपसी सद्भाव, सेवा और समरसता के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी के कल्याण की कामना की।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि गुरुद्वारा जैसे पवित्र स्थल हमें सेवा, त्याग और मानवता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, सौहार्द्र और परस्पर सहयोग की भावना ही समग्र विकास का आधार है। जब समाज एकजुट होकर आगे बढ़ता है, तभी प्रदेश और देश प्रगति के नए आयाम स्थापित करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। हर वर्ग के उत्थान और समावेशी विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है।

इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने मंत्री श्री अग्रवाल का स्वागत किया। उपस्थित लोगों ने भी प्रदेश की उन्नति और समाज में शांति बनाए रखने की कामना की।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.